R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 28
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 06 अक्टूबर, 2025

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

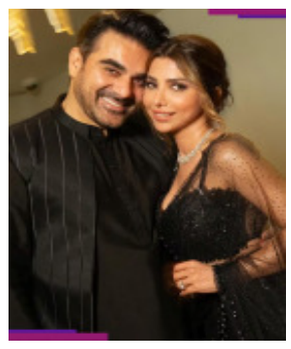

3 ओमैक्स संगम सिटी में 'विश्वास का संगम - गाला ... 5 पैर की हड्डी से निकाला गया 2 किलो का ट्यूमर 7 अरबाज खान के घर आई नन्ही परी शूरा खान ...

एअर इंडिया की फ्लाइट में इमरजेंसी टरबाइन तैनात, बड़ा हादसा टला यात्री सुरक्षित लैंड हुए

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एअर इंडिया की अमृतसर से बर्मिंघम जा रही उड़ान एआई 117 में शनिवार को बड़ा तकनीकी अलर्ट सामने आया। बोइंग 787 विमान का रैम एयर टर्बाइन लैंडिंग से ठीक पहले, यानी फाइनल अप्रोच के दौरान, अप्रत्याशित रूप से तैनात हो गया। यह एक ऐसी प्रणाली है जो इमरजेंसी पावर के लिए इस्तेमाल होती है। हालांकि, संचालन दल ने विमान को बर्मिंघम में सुरक्षित रूप से उतार लिया। एअर इंडिया ने एक बयान में पुष्टि करते हुए कहा, '4 अक्टूबर 2025 को फ्लाइट एआई 117 के ऑपरेटिंग क्रू को आरएटी के डिप्लॉय होने का पता चला। राहत की बात यह रही कि जांच में सभी इलेक्ट्रिकल और हाइड्रॉलिक पैरामीटर सामान्य पाए गए, और विमान ने बर्मिंघम में सुरक्षित लैंडिंग की।' एहतियात के तौर पर, विमान को गहन निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है और इसी कारण बर्मिंघम-दिल्ली की वापसी उड़ान रद्द कर दी गई है। एयरलाइन ने यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की है।

आरएटी एक आपातकालीन उपकरण है जो दोहरे इंजन या पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक/हाइड्रोलिक विफलता की स्थिति में स्वचालित रूप से तैनात होता है। यह हवा की गति का उपयोग करके विमान प्रणालियों को चालू रखने के लिए आपातकालीन शक्ति उत्पन्न करता है।

यह घटना तब हुई है जब एयर इंडिया इस साल जून में हुई अपनी बोइंग 787 दुर्घटना की जांच के दौर से गुजर रही है, जिसमें 260 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई थी। आरएटी का अचानक डिप्लॉय होना इंजन या हाइड्रोलिक विफलता जैसे बड़े खतरे का संकेत हो सकता है। फिलहाल, एयरलाइन और विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

खंडवा हादसे के बाद 6 लाख मुआवजे की हुई थी घोषणा, मंत्री ने सौंपा लिफाफा खोला तो निकला कागज, चौंक गए परिजन

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में मूर्ति विसर्जन के दौरान हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। 2 अक्टूबर को पंधाना के पास तालाब में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से 11 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें ज्यादातर बच्चे शामिल थे। हादसे के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की थी। लेकिन अब जो परिजनों को लिफाफा मिला है, उसमें ऐसी चीज निकली है जिसने सभी को चौंका दिया है।

दरअसल इस दुखदायी हादसे के बाद इश ने 2 लाख और सीएम ने 4 लाख मुआवजा देने की बात कही थी। लेकिन जब सीएम मोहन यादव पीड़ित परिवारों से मिलने पहुंचे और उन्हें सांत्वना देते हुए लिफाफे सौंपे, तो मामला कुछ और ही निकला। परिजनों को लगा कि इन लिफाफों में मुआवजे का चेक होगा, लेकिन जब उन्होंने लिफाफे खोले, तो अंदर से चेक नहीं बल्कि एसडीएम पंधाना का स्वीकृति पत्र निकला और 5 हजार का चेक निकला। इसे देखकर परिजन हैरान और निराश रह गए।

शनिवार को राज्य मंत्री विजय शाह भी जिला अस्पताल में घायलों से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने भी प्रेस नोट जारी कर बताया कि उन्होंने घायलों को लिफाफे सौंपे, जिससे लोगों को उम्मीद हुई कि उन्हें सीएम की घोषणा के मुताबिक डेढ़ लाख रुपये मिलेंगे। लेकिन जब लिफाफे खोले गए, तो उसमें सिर्फ 5 हजार रुपये का चेक निकला। जानकारी के मुताबिक, यह राशि किसी भी घोषित राहत राशि का हिस्सा नहीं थी। परिजन और घायलों ने इस पर नाराजगी जताई और कहा कि उन्हें अब तक सरकार की ओर से घोषित मुआवजा राशि नहीं मिली है। प्रशासन का कहना है कि घोषित राशि की प्रक्रिया चल रही है, और जल्द ही परिजनों के खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि हादसे के बाद सरकारी घोषणाओं और जमीनी हकीकत में बड़ा फर्क है।

2 मुस्लिम युवकों ने अपनाया सनातन धर्म, कहा- हिंदू त्योहार और परंपरा से लगाव है

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अयोध्या जिले में दो मुस्लिम युवकों ने अपना धर्म छोड़कर हिंदू धर्म को अपना लिया है। उनका कहना है कि वह हिंदू भाईयों के बीच रहते थे, उनके त्योहारों में शामिल होते थे धीरे-धीरे उन्हें सनातन धर्म से लगाव हो गया। अब उन दोनों युवकों ने फैसला किया है कि अब आगे का बचा हुआ जीवन हिंदू धर्म के अनुसार व्यतीत करेंगे।

आपको बता दें कि धर्म परिवर्तन करने वाले मुस्लिम युवकों का नाम अरशद और मोनू है जो कि अब राकेश और मनीष बन गए हैं। संपूर्ण समाधान दिवस के मौके पर दोनों युवकों ने डीएम को संबोधित करते हुए एक पत्र मजिस्ट्रेट को सौंपा है। इस लेटर में धर्म परिवर्तन करने की आधिकारिक रूप से पुष्टि की गई है। दोनों मुस्लिम युवक अयोध्या जिले के सोहावल तहसील क्षेत्र के रहने वाले हैं।

धर्म बदलने वाले दोनों युवकों ने कहा है कि अपने पूर्व के परिवार से कोई नाता नहीं रखेंगे और वे पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ हिंदू धर्म की परंपराओं का पालन करेंगे।

डीयू वीसी का राष्ट्रवाद पर कड़ा संदेश, आरएसएस ने निजी शत्रु क्षमा किए, देश के दुश्मन नहीं!

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने विरोधियों और शत्रुओं को अनेक बार क्षमा किया है, परंतु राष्ट्र के विरोधियों और शत्रुओं को कभी क्षमा नहीं किया।

प्रो. सिंह ने शनिवार को इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर पीजीडीएवी महाविद्यालय में आयोजित द्विदिवसीय समग्र संघ साहित्य परिचर्चा के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए उक्त बातें कहीं।

प्रो. सिंह ने कहा कि इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ वर्ष पूरे हो रहे हैं। ऐसे में यह उपयुक्त एवं अनुकूल समय है जब संघ साहित्य पर परिचर्चा का आयोजन हो रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मात्र व्यक्तियों का समूह नहीं है, अपितु यह एक विचार है। विचार से जुड़ने पर कभी मन में निराशा का भाव नहीं आता। संघ व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण के ध्येय को लेकर कार्य करता है।

मुख्य अतिथि के रूप में केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर के पूर्व कुलाधिपति डॉ. बलवंत जानी ने कहा कि इन दिनों राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं भारतीय ज्ञान परंपरा पर चर्चा होने के चलते संघ साहित्य को मान्यता मिल रही है।

विशिष्ट अतिथि के नाते सुरुचि प्रकाशन के अध्यक्ष श्री राजीव तुली ने कहा कि संघ को ऐसे लोगों ने गढ़ा है जो रुके नहीं, टुटे नहीं, झुके नहीं और बिके नहीं। उन्होंने कहा कि सुरुचि प्रकाशन राष्ट्रीय साहित्य प्रकाशन का महती कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुए इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के अध्यक्ष डॉ. अवनिजेश अवस्थी ने कहा कि संघ के बारे में प्रामाणिक जानकारी लोगों तक पहुंचें, इसलिए हमने समग्र संघ साहित्य परिचर्चा का आयोजन किया है। उद्घाटन सत्र का संचालन इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के महामंत्री संजीव सिन्हा एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम संयोजक प्रो. ममता वालिया ने किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्री मनोज कुमार, राष्ट्रीय मंत्री प्रो. नीलम राठी एवं श्री प्रवीण आर्य, पीजीडीएवी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. दरविंदर कुमार, इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. विनोद बब्बर, उपाध्यक्ष मनोज शर्मा, मंत्री नीलम भागी, सुनीता बुग्गा, राकेश कुमार, कोषाध्यक्ष अक्षय अग्रवाल, डॉ. रजनी मान, सारिका कालरा सहित बड़ी संख्या में साहित्यकारों एवं छात्रों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

उद्घाटन सत्र के पश्चात् प्रथम सत्र में साहित्यकारों, प्राध्यापकों एवं शोधार्थियों ने राष्ट्र, भारतबोध, धर्म एवं संस्कृति, हिंदुत्व, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, कार्यकर्ता निर्माण, संघ और स्वतंत्रता आंदोलन, संघ और सामाजिक समरसता, पर्यावरण, कुटुंब व्यवस्था, नारीशक्ति, शिक्षा सहित अनेक विषयों से संबंधित संघ विचारकों द्वारा लिखित पुस्तकों का सार प्रस्तुत किया। इस सत्र का संचालन कार्यक्रम सह संयोजक डॉ. मलखान सिंह ने किया।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत बोले- हम सब सनातनी, अंग्रेजों ने हमें तोड़ा, पाकिस्तान को वापस लेने पर दिया जोर

सतना **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अपने सतना प्रवास के दूसरे दिन रविवार को बाबा मेहर शाह दरबार की नव निर्मित बिल्डिंग का लोकार्पण किया और लोगों को संबोधित करते हुए एकता और भाषा के महत्व पर जोर दिया। डॉ. भागवत ने कहा कि बंटवारे के बाद सिंधी भाई पाकिस्तान नहीं गए बल्कि अविभाजित भारत आए, और इसे लेकर उन्हें खुशी है। उन्होंने कहा, 'जो हम घर का कमरा छोड़कर आए हैं, उसे कल वापस लेकर फिर से डेरा डालना है।' भाषा विवाद पर बोलते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि 'भाषा अनेक है, भाव एक होता है। मूल भाषा से ही निकली हैं अनेक भाषाएं। सारी भाषाएं भारत की राष्ट्र भाषा हैं। प्रत्येक नागरिक को कम से कम तीन भाषाएं आनी चाहिए - घर, राज्य और राष्ट्र की भाषा।'

सभा में उन्होंने आध्यात्मिक संदेश भी दिया और कहा कि काम की इच्छा की पूर्ति के लिए अपने धर्म को मत छोड़ो, अपना अहंकार छोड़ो और स्वयं को देखो। देश और समाज के कल्याण के लिए अपने स्व को समझना जरूरी है। इस अवसर पर दरबार प्रमुख पुरुषोत्तम दास जी महाराज, मध्यप्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ला, राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी, सांसद गणेश सिंह, इंदौर सांसद शंकर लालवानी, भोपाल विधायक भगवान दास साबनानी, जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहानी और कई साधु-संत व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बिहार विधानसभा चुनाव 22 नवंबर से पहले

सीईसी ने ईवीएम सहित कई नियमों में किए बडे बदलाव

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने पटना में बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारियों की समीक्षा के बाद कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को देश भर के लिए 'अनुकरणीय' बताते हुए बिहार के 90, 217 बूथ स्तरीय अधिकारियों की सराहना की।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने बताया कि आयोग ने आगामी चुनावों के लिए कई बड़े बदलाव किए हैं, जो बिहार से शुरू होकर पूरे देश में लागू होंगे।

ईवीएम और मतपत्र में बदलावः अब ईवीएम में उम्मीदवार की तस्वीर ब्लैक एंड व्हाइट के बजाय रंगीन होगी, ताकि चुनाव चिह्न के अलावा पहचान करना आसान हो सके। इसके अलावा मतपत्र पर सीरियल नंबर का फॉन्ट अब बड़ा किया जाएगा।

मतदान केंद्र और सुरक्षाः आयोग ने फैसला किया है कि अब किसी भी मतदान केंद्र पर 1, 200 से अधिक मतदाता नहीं होंगे। बिहार के हर मतदान केंद्र पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की सुविधा होगी। बूथ-स्तरीय अधिकारियों को बेहतर पहचान के लिए पहचान पत्र जारी किए गए हैं। साथ ही, मोबाइल फोन को बूथ के बाहर एक कमरे में जमा करने की प्रक्रिया पूरे बिहार में लागू की जाएगी।

मतगणना नियमों में बदलावः ईवीएम की गिनती के अंतिम दो राउंड से पहले डाक मतपत्रों की गिनती अनिवार्य होगी। पहले, फॉर्म 17सी और ईवीएम काउंटिंग यूनिट के डेटा में अंतर होने पर सभी वीवीपैट की गिनती होती थी। अब इस नियम को और स्पष्ट किया गया है।

डेटा उपलब्धताः चुनाव समाप्त होने के कुछ दिनों के भीतर ही, पुरुष और महिला मतदाताओं की संख्या तथा मतदान के आंकड़े अब ईसीआई-नेट पर डिजिटल इंडेक्स कार्ड के रूप में उपलब्ध होंगे।

सीईसी ने बिहार के मतदाताओं से अपील करते हुए कहा, 'मैं बिहार के सभी मतदाताओं से अपील करता हूं कि वे लोकतंत्र के इस पर्व को उसी उत्साह के साथ मनाएं जैसे आप छठ मनाते हैं। सभी मतदान करें और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।' उन्होंने मतदाताओं को सफल मतदाता सूची शुद्धिकरण प्रक्रिया के लिए भी बधाई दी।

मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद चीनी सहकारी क्षेत्र को हुआ लाभ-अमित शाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत के चीनी सहकारी क्षेत्र को काफी लाभ हुआ है। वह अहिल्यानगर जिले में डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाने की विस्तारित क्षमता का उद्घाटन करने के बाद एक किसान रैली को संबोधित कर रहे थे। शाह ने चीनी सहकारी समितियों से गैर पेराई सत्र में भी मल्टी-फीड एथनॉल का उत्पादन करने की अपील की। मंत्री ने कहा, ''एथनॉल मिश्रण के कारण चीनी सहकारी समितियों की आर्थिक स्थिति बदल गई है। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस क्षेत्र को लाभ हुआ है।''

शाह ने कहा, ''केंद्र सरकार हाल ही में भारी बारिश से प्रभावित महाराष्ट्र के किसानों को हर संभव सहायता देगी।'' उन्होंने राज्य के किसानों के लिए केंद्रीय सहायता हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार की सराहना की। शाह ने सहकारिता आंदोलन की एक प्रमुख हस्ती विट्ठलराव विखे पाटिल और उनके बेटे तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री बालासाहेब विखे पाटिल की प्रतिमाओं का अनावरण भी किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र में भारी बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हाल में हुई भारी बारिश और बाढ़ आने से व्यापक नुकसान हुआ है। शाह ने कहा, ''मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और दोनों उपमुख्यमंत्रियों - एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ एक विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से, मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बार विस्तृत रिपोर्ट हमें सौंप दिए जाने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के किसानों को कोई भी मदद देने में देरी नहीं करेंगे।'' उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार पिछले वर्ष की सहायता में से 3, 132 करोड़ रुपये पहले ही जारी कर चुकी है, जिसमें इस वर्ष अप्रैल में दी गई 1, 631 करोड़ रुपये की सहायता भी शामिल है।

शाह ने बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने भी 2, 215 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रदान की है, जिससे 31 लाख से ज्यादा किसानों को लाभ हुआ है। गृह मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की परेशानी कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को 10, 000 रुपये की नकद सहायता और 35 किलोग्राम अनाज उपलब्ध कराया है। ऋण वसूली रोक दी गई है, ई-केवाईसी मानदंडों में एक बार के लिए ढील दी गई है और राजस्व कर और स्कूल फीस में राहत दी गई है।''

पश्चिम बंगाल में बाढ़ का संकट गहराया, सीएम ममता बनर्जी ने दिया तत्काल मदद का भरोसा

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने उत्तर और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में अचानक हुई भारी बारिश से आई बाढ़ पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को तुरंत सभी आवश्यक सहायता पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

मुख्यमंत्री ने एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में कहा, 'मैं इस बात से बेहद चिंतित और चिंतित हूं कि कल रात कुछ ही घंटों में अचानक हुई भारी बारिश और बाहर से हमारे राज्य में नदी के पानी के अत्यधिक प्रवाह के कारण उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल के कई इलाकों में बाढ़ आ गई है।'

बनर्जी ने उत्तर बंगाल में व्यापक तबाही के लिए केवल 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक मूसलाधार बारिश को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने बताया, 'कल रात उत्तर बंगाल में 12 घंटों में अचानक 300 मिमी से अधिक बारिश हुई और साथ ही संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से नदी का पानी भी बह गया। इससे आपदाएं आईं।'

मुख्यमंत्री ने भारी बारिश और बाढ़ के कारण हुई जान-माल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'हमें यह जानकर गहरा सदमा और दुख हुआ है कि भारी बारिश और नदियों में आई बाढ़ के कारण हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया है। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायता पहुंचाऊंगी।'

मुख्यमंत्री के अनुसार, आपदा के कारण बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया, 'दो लोहे के पुल ढह गए हैं, कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और बाढ़ आ गई है। दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार जिलों में जमीन के बड़े हिस्से जलमग्न हो गए हैं।' उन्होंने विशेष रूप से मिरिक, दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, माटीगाड़ा और अलीपुरद्वार से 'चिंताजनक क्षति और नुकसान की खबरें' मिलने की बात कही।

बनर्जी ने आश्वासन दिया कि वह लगातार स्थिति पर नजर रख रही हैं और मुख्य सचिव के साथ एक वर्चुअल बैठक कर चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वह कल रात से ही चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर रख रही हैं और उन्होंने मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, उत्तर बंगाल के जिलों और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक की, जिसमें गौतम देब और अनित थापा जैसे जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए। उन्होंने बताया, 'मैं लगातार संपर्क में हूं और इस सिलसिले में कल अपने मुख्य सचिव के साथ व्यक्तिगत रूप से उत्तर बंगाल जा रही हूं।'

मुख्यमंत्री ने क्षेत्र में फंसे पर्यटकों के लिए एक विशेष सलाह जारी की है। उन्होंने कहा, 'इस बीच, हम उत्तर बंगाल के पर्यटकों को सलाह दे रहे हैं कि जब तक हमारी पुलिस उन्हें सुरक्षित निकाल नहीं लेती, वे वहीं रहें। बचाव का खर्च हमारा है और पर्यटकों को चिंता करने की जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा कि अधिकारी और पुलिस हर जगह सभी प्रभावित लोगों तक हर संभव सहायता पहुंचाएंगे।

शिक्षकों के व्हाट्सएप ग्रुप में अश्लील वीडियो वायरल 5 शिक्षकों को डीईओ ने कारण बताओ नोटिस जारी

राजनांदगांव **(एजेंसी)**। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में उस वक्त हड़कंप की स्थिती पैदा हो गई, जब शिक्षकों के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में अचानक अश्लील वीडियो वायरल होने लगे। इस ग्रुप में कई महिला शिक्षक भी सदस्य थीं, जिन्होंने इस हरकत पर नाराज़गी जताते हुए थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। सूत्रों के अनुसार, जिले में 20 से 30 ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप हैं, जिनमें संकुल समन्वयक, प्राचार्य और अन्य शिक्षकों के मोबाइल नंबर जुड़े हुए हैं। इनमें से कुछ नंबरों से ही अश्लील वीडियो भेजे गए। मामला सामने आने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) पी.एस. बघेल ने तुरंत संज्ञान लेते हुए उन पांच शिक्षकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है, जिनके नंबर से वीडियो साझा किए गए थे। नोटिस में उन्हें सात दिन के भीतर स्पष्टीकरण देने को कहा गया कि उनके मोबाइल से यह आपत्तिजनक सामग्री कैसे प्रसारित हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कुछ शिक्षकों के मोबाइल में संदिग्ध एपीके फाइल भेजी गई थी। इसे क्लिक करते ही उनका व्हाट्सएप अकाउंट हैक हो गया और उसी के जरिए ग्रुप में अश्लील वीडियो भेजे गए। शिक्षकों ने इस संबंध में साइबर थाने में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हैकिंग का पैटर्न एक जैसा था या अलग तकनीकों से मोबाइल हैक किए गए। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वीडियो भेजने वाला या हैकिंग करने वाला व्यक्ति कहां से सक्रिय था। घटना के बाद विभाग ने सभी स्कूलों और शिक्षकों को निर्देश दिए हैं कि किसी भी अनजान लिंक, फाइल या वीडियो पर क्लिक न करें। डीईओ बघेल ने कहा कि यह मामला साइबर हैकिंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, लेकिन दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

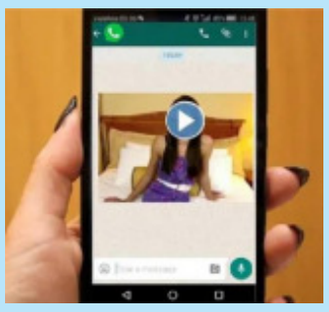

भाजपा जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में स्नातक चुनाव एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की बैठक संपन्न

कौशाम्बी। जिले में प्रयागराज झांसी स्नातक चुनाव एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की कामकाजी बैठक को बतौर मुख्य अतिथि स्नातक एमएलसी के संयोजक शंतविलाष शिवहरे एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने संबोधित किया।

ज्ञात हो कि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बताया कि स्नातक चुनाव में ग्रैजुएशन करने के तीन साल बाद ही वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन किया जा सकता है, वोटर बनने की बाकी सारी प्रक्रिया शिक्षक निर्वाचन की तरह ही है, स्नातक निर्वाचन एमएलएसी चुनाव में वही वोट दे सकता है, जो ग्रैजुएट हो वहीं कैंडिडेट का भी ग्रैजुएट होना जरूरी है, साथ ही पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता का एक ही लक्ष्य होना चाहिए विजय कोई भी छूटने का पाए, सबका नाम अधिक से अधिक जुड़वाए।

भरवारी में जाम से निजात के लिए तैयारी शुरू, रेलवे कर्मचारियों ने की भरवारी में अंडरपास ब्रिज की नापजोख

कौशाम्बी। जिले के भरवारी रेलवे क्रॉसिंग पर आए दिन लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए रेलवे विभाग ने पहल शुरू कर दी है। रेलवे के आईडब्लू विभाग के कर्मचारियों ने रेलवे फाटक से 100 मीटर की परिधि में नापजोख की। जानकारी मिली कि यह नापजोख अंडरपास के निर्माण के लिए की जा रही है।इस नापजोख के चलते लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है।

ज्ञात हो कि भरवारी कस्बे में रेलवे कर्मचारियों ने पुरानी बाजार, गौरा रोड, मंझनपुर रोड और करारी रोड में अंडरपास ब्रिज के लिए नापजोख की। उन्होंने बताया कि वे आईडब्लू विभाग से आए हैं और अपनी रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को सौंपेंगे। यह कार्रवाई उच्चाधिकारियों के निर्देश पर की जा रही है।रेलवे की इस नापजोख को लेकर स्थानीय लोगों में कही उत्सुकता, कही दहशत और राहत का माहौल है। लोगों का मानना है कि जल्द से जल्द अंडरपास ब्रिज या ओवरब्रिज का निर्माण होना चाहिए, ताकि उन्हें रोजाना के जाम से मुक्ति मिल सके।

कौशाम्बी में हिट एंड रन का मामला, बाइक सवार जीजा साले की मौत

कौशाम्बी। जिले में हिट एंड रन का एक मामला सामने आया है। जहां शनिवार की शाम बाइक सवार दो युवकों को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी, हादसे में दोनों की दर्दनाक मौत हो गई।ग्रामीणों ने हादसा देखा तो पुलिस को सूचना दी, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनो को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा और मामले की जांच में जुटी हुई है।

ज्ञात हो कि घटना करारी थाना क्षेत्र के मीरापुर मोड़ के पास की है जहा बुदुन लाल (55 वर्ष), पुत्र स्व. लल्लू, और सुखई (55 वर्ष), पुत्र स्व. सोहन, दोनों ही बरई बंधवा थाना करारी के निवासी थे। दोनों मृतक अपने परिवार का पालन-पोषण मजदूरी करके करते थे दोनों किसी जरूरी काम से बिसारा गए थे, वहां से लौटते वक्त हादसा हो गया ।बताया जा रहा है कि दोनों आपस में जीजा साले थे।

निक्की शर्मा ने बताया कलर्स के 'धाकड़ बीरा' में उनका किरदार 'किशमिश' उनके लिए क्यों पहले से तय सा लगता है

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। कलर्स का शो 'धाकड़ बीरा' 14 साल का लीप लेकर सम्राट और किशमिश की कहानी को वयस्कता में कदम रखते हुए दिखा रहा है। अभिनेता गौरव बजाज निभा रहे हैं सम्राट का किरदार, वहीं निक्की शर्मा नजर आ रही हैं किशमिश के रूप में, जो अब 18 साल की फैशन इन्फ्लुएंसर है। सालों पहले छोटा सम्राट अपनी बहन की सुरक्षा के लिए उसे मुंबई में पिता के पास छोड़ने पर मजबूर हुआ था। आज किस्मत उन्हें दोबारा आमने-सामने लाती है, लेकिन किशमिश अपने ही भाई को पहचान नहीं पाती। देखिए 'धाकड़ बीरा' हर रोज शाम 7:00 बजे, सिर्फ कलर्स पर

अपने किरदार किशमिश के बारे में बात करते हुए निक्की शर्मा ने कहा, 'किशमिश को निभाना सचमुच किस्मत जैसा लगता है, जैसे यह किरदार मेरे लिए ही लिखा

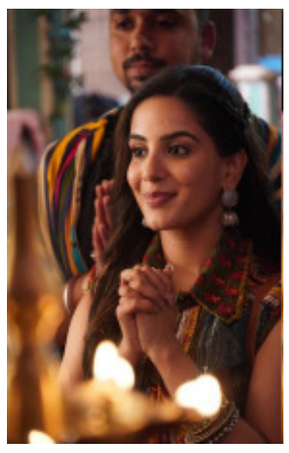

गया हो। मुझे हमेशा से फैशन बहुत पसंद रहा है। यह मेरे लिए खुद को व्यक्त करने, रंगों, टेक्सचर और स्टाइल्स के साथ प्रयोग करने और हर दिन कुछ नया बनाने का तरीका है। ऐसे में किशमिश की वॉर्डरोब में ढलना मेरे लिए बिल्कुल नैचुरल लगा। पहली बार मेरा ऑडियंस मुझे इतने मॉडर्न और स्टाइलिश अवतार में देखेगा और मैं बेताबी से इंतजार कर रही हूं कि वे किशमिश का असली रंग देखें। वह रंगों, ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरी हुई है। वह लोगों को सिर्फ अपने स्टाइल से नहीं बल्कि अपने हौसले से भी प्रेरित करती है–अपने लिए और अपनी मान्यताओं के लिए खड़े होने के हौसले से। उसकी पर्सनैलिटी को जीना और उसके लुक्स कैरी करना मेरे लिए बेहद सहज रहा, जैसे स्क्रीन पर मैं खुद को ही देख रही हूं। कई बार तो मुझे लगता है कि मैं निक्की हूं या किशमिश, यही इस रोल की मेरे दिल से नजदीकी है।'

जुदाई के घाव अब भी बाकी हैं, जिन्हें गलतफहमियों और टूटे रिश्तों ने और गहरा कर दिया। हालांकि दोनों के बीच का ड्रामा कहानी को आगे बढ़ाता है, लेकिन किशमिश की निडर शख्सियत और उसका जीवंत फैशन सेंस दर्शकों को तुरंत अपना बना लेता है। स्क्रीन पर वह केवल एक किरदार नहीं है–किशमिश ने अपनी शर्तों पर एक नई जिंदगी और नई पहचान बनाई है। वह एक फैशन इन्फ्लुएंसर है, जो न केवल अपने स्टाइल से बल्कि आत्मविश्वास, आत्म-अभिव्यक्ति और अपने विश्वास के लिए खड़े होने के सबक देकर भी लड़कियों को प्रेरित करती है। पारंपरिक पहनावे को आधुनिक फैशन के साथ मिलाकर, वह हर जगह सबकी नजरें अपनी ओर खींच लेती है।

टाटा कैपिटल आईपीओ एंकर बुक में इश्यू खुलने से पहले 5 गुना मांग देखी गई

वाराणसी। टाटा कैपिटल लिमिटेड के 15, 512 करोड़ के आईपीओ को एंकर निवेशकों से मजबूत प्रतिक्रिया मिली, क्योंकि एंकर इन्वेस्टमेंट लॉट शानदार ढंग से बंद हुआ। कंपनी ने 68 घरेलू और वैश्विक संस्थागत निवेशकों को लगभग 4, 642 करोड़ मूल्य के शेयर आवंटित किए, जिसमें आवंटन से 5 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन हुआ। फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य का 31.0 गुना है और कैप प्राइस इक्विटी शेयरों के अंकित मूल्य का 32.6 गुना है। सूत्रों के अनुसार, ष्जबूत मांग के कारण, निवेशक कंपनी में वह हिस्सेदारी हासिल नहीं कर पाए, जिसकी वे तलाश कर रहे थे और उन्हें सीमित सब्सक्रिप्शन से संतुष्ट होना पड़ा। शीर्ष म्यूचुअल फंड ने मजबूत विश्वास दिखाते हुए एंकर राउंड में भाग लिया। भारत की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी, एलआईसी के साथ-साथ एचडीएफसी म्यूचुअल फंड और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ जैसे बड़े परिसंपत्ति प्रबंधकों ने भी सब्सक्रिप्शन लिया।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत महिला मैराथन का किया गया आयोजन

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत जिला खेल कार्यालय द्वारा तहसील मंझनपुर मे महिला मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन में 22 महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जिसमे प्रथम स्थान माया ने प्राप्त किया। इसी प्रकार द्वितीय स्थान संजना व तृतीय स्थान लक्ष्मी प्राप्त किया। विकास खंड चायल मे भी महिला मैराथन का आयोजन किया गया। इस मैराथन में कुल 25 महिला खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रथम स्थान नेहा कुमारी, द्वितीय स्थान निशा यादव एवं तृतीय स्थान अम्बिका दिवाकर ने प्राप्त किया।

मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत महिलाओं को प्रशस्ति-पत्र देकर किया गया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। मिशन शक्ति अभियान के अन्तर्गत नवीन मंडी समिति, भरवारी में खाद्य व रसद, मंडी समिति एवं सहकारिता विभाग द्वारा महिलाओं का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ज्ञात हो कि कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं में सबसे बुजुर्ग महिला चंदिया देवी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया।विपणन निरीक्षक आनन्द उपाध्याय ने कार्यक्रम में धान व बाजारा खरीद के अंतर्गत न्यूनतम समर्थन मूल्य व कृषक पंजीकरण की जानकारी दी गई। आपूर्ति विभाग द्वारा उचित दर विक्रेता के रूप में कार्यरत महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सहकारिता विभाग द्वारा बताया गया कि जनपद में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी माला कुमारी ने विभागीय योजनाओं के साथ बालिकाओं व महिलाओं के हित में शासन द्वारा संचालित योजनाओं-मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना व प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना आदि योजनाओं एवं विभिन्न हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी।

जिलाधिकारी ने तहसील चायल में सुनी जनशिकायतें

कौशाम्बी। जनपद के सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने तहसील चायल में जनशिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण व समयान्तर्गत निस्तारित करने के निर्देश दिए।

ज्ञात हो कि जिलाधिकारी ने राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर शिकायत को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को तहसील दिवस एवं आई.जी.आर.एस. शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारित करने के निर्देश देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी शिकायत लम्बित न होने पाये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त प्रार्थना-पत्रों पर संबंधित अधिकारियों को ऑनलाइन आवेदन कराकर पात्रता की स्थिति में लाभान्वित करने के भी निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 36 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 01 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। तहसील मंझनपुर में कुल 28 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा तहसील सिराथू में कुल 35 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 02 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

अपर जिलाधिकारी ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जन- जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रबुद्ध सिंह ने रविवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत् आयोजित जन-जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.संजय कुमार व मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ.अशोक कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

ज्ञात हो कि अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) ने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। स्वच्छता, साफ पानी और मच्छर जनित रोगों की रोकथाम के उपायों को अपनाकर हम इन बीमारियों से बचाव कर सकते हैं।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 05 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक संचालित किया जाएगा तथा दस्तक अभियान दिनांक 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक संचालित किया जाएगा। दस्तक अभियान के अंतर्गत आशा कार्यकत्री हर घर का भ्रमण कर संचारी रोगों से बचाव एवं इसके लक्षण व उपचार सुविधाओं के प्रति आमजन को जागरूक करेंगी। इसके साथ ही डेंगू, फाइलेरिया, मलेरिया, दिमागी बुखार, क्षय रोग व कुष्ठ रोग के लक्षणयुक्त रोगियों की खोज कर जांच व उपचार के लिए सूची बनाएंगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी समारोह पथ संचलन भव्य रूप से संपन्न

सिराथू (कौशाम्बी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नगर पंचायत सिराथू द्वारा रविवार को शताब्दी समारोह के अवसर पर भव्य पथ संचलन का आयोजन किया गया। स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासन और एकता का परिचय देते हुए नगर की प्रमुख सड़कों से गुजरे। ढोल-नगाड़ों की गूंज और भारत माता के जयघोष से पूरा नगर देशभक्ति के रंग में रंग गया।

इस अवसर पर संघ के स्वयंसेवकों ने संगठित रूप में देशभक्ति, अनुशासन और राष्ट्र समर्पण की झलक प्रस्तुत की। नगर के लोगों ने सड़क किनारे खड़े होकर स्वयंसेवकों का तालियों से स्वागत किया।

संघ पदाधिकारियों ने बताया कि यह पथ संचलन संघ के 100 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का प्रतीक है और इससे समाज में संगठन, सेवा तथा संस्कार का संदेश प्रसारित होता है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक अभियान को हरी झंडी दिखाकर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि ने किया शुभारंभ

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिठवल मे संचारी एवम दस्तक अभियान का किया गया शुभारंभ, ब्लॉक प्रमुख डॉ दशरथ चौधरी जी द्वारा हरी झंडी दिखा कर संचारी एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ किया गया जिसमें अधीक्षक डॉ राजीव कुमार रंजन के अनुसार संचारी एवं दस्तक अभियान 05 अक्टूबर 2025 से 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगा जिसमें 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक दस्तक अभियान चलाया जाना है इस अभियान में कुल 11 विभागों का सहयोग सुनिश्चित रहेगा जिसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, पशुपालन विभाग, दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग, कृषि एवं सिचाई, सूचना विभाग, उद्यान विभाग, शिक्षा विभाग, बाल विकास परियोजना विभाग रहेंगे इस बार अभियान के दौरान आशा और आंगनवाड़ी कार्यकत्री लक्षण युक्त मरीजों का नाम पता मोबाइल नंबर सहित विवरण ई कवच पोर्टल पर डिजिटल अपलोड करेंगी ।जिसमें बुखार के रोगियों की सूची,आई एल आई (इलफ्लुएंजा लाइक इलनेस) के रोगियों की सूची,क्षय के लक्षण के रोगियों की सूची,कुष्ठ रोग फाईलेरिया और काला अजार रोगों के लक्षण के रोगियों की सूची ,कुपोषित बच्चों की सूची मकानों की सूची जिनके भीतर मच्छरों का प्रजनन पाया गया हो किया जाना है इस बार अभियान मे नया गैर संचारी रोगियों में उच्च रक्त चाप, मधुमेह, कैंसर, साँस के रोगियों की सूची और सी बैंक फॉर्म सी एच ओ और ए एन एम के स्तर पर आशाओं द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा और ऑनलाइन ई कवच पर फीड करना है साथ ही आभा आई डी भी आशायें बनाएंगी और चिन्हित रोगियों की सूची ई कवच और यू डी इस पी पर फीड किया जाएगा।

शुभारंभ के दौरान डॉ मनमोहन चौधरी चिकित्साधिकारी, ओंकार चौधरी फार्मासिस्ट, डॉ रेणु ,डॉ साधना, बीपीएम कुशल टंडन, राधेश्याम चक्रवर्ती बीसीपीएम, धर्मेंद्र विश्वकर्मा ,डॉ पूनम, डॉ रोहित, डॉ पी सी वर्मा, विक्रम और आशा संगिनी वेदवति के साथ आशायें सभी अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

भव्यता व दिव्यता के साथ निकला श्री राम दल कमेटी मम्फोर्डगंज का राम दल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। श्री राम दल कमेटी ममफोर्डगंज का द्वितीय भव्य राम दल ममफोर्डगंज निगम चौराहे से कमेटी के मुख्य संयोजक आलोक श्रीवास्तव, डॉ0 पवन प्रजापति, अर्जुन केशरवानी, विजय शंकर मिश्रा, विमल गुप्ता, एवं पार्षद विजय विस्वास रावत द्वारा प्रभु श्री राम चन्द्र जी , तीनो भ्राता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न एवं माँ जानकी तथा पवन पुत्र हनुमान की विधि-विधान से पूजन अर्चन की गई।विशाल गज पर सवार प्रभु श्री राम लक्ष्मण एवं राम भक्त हनुमान जी की अगुवाई कर रहे फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल, महापौर गणेश केशरवानी, शहर उत्तरी के विधायक हर्ष वर्धन बाजेपेई, एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, विधायक दीपक पटेल, पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, पूर्व आई0पी0एस0 के0 पी0 सिंह, महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महामंत्री वरुण केशरवानी, पूर्व महापौर प्रत्यासी अजय श्रीवास्तव, प्रतिष्ठित दिलीप सिंह, संजीव जैन, केशव सिंह, वरिष्ठ पार्षद आनन्द अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार रतन दीक्षित, अंकित राज, एस0 के0 पाण्डेय, आनन्द प्रकाश, संजय श्रीवास्तव, कटरा राम लीला कमेटी के उमेशचन्द्र केशरवानी, शिव बाबू गुप्ता, अश्वनी केशरवानी आदि सम्मानित सदस्य गणों द्वारा की गई। श्री राम दल कमेटी ममफोर्डगंज का भव्य राम दल प्रारम्भ होकर फौव्वारा चौराहा, म्योराबाद चौराहा, आबकारी चौराहा, हलवाई चौराहा होते हुए भारत स्काउट गाइड घूमते हुए निगम चौराहा पर विश्राम हुआ।इस बार दल निकलने से पूर्व मम्फोर्डगंज वासियों में उत्साह देखने को मिला जगह - जगह विद्युत सज्जा एवं मंच बनाकर भव्य दल का स्वागत किया गया एवं आरती उतारी गई, अलग अलग जगह से आये हुयी कलात्मक चौकी जिसमे रावण-वध, लवकुश द्वारा अश्व को कैद करना, माँ काली की झांकी इत्यादि धार्मिक कला का प्रदर्शन किया गया एवं डी0 जे0, बैण्ड, जबलपुर से आये हुए धमाल बैण्ड ने अपनी कला का प्रदर्शन किया जिसमे ध्वजा-पताका हाथी-घोड़े और आतिशबाजियों से पूरा क्षेत्र राममय हो गया। ममफोर्डगंज में क्षेत्रवासियों की उपस्थिति देर रात्रि तक रही।

'हेवेनली पैलेस' ने अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस का किया आयोजन

राज्यपाल ने मोंगा के 29 वर्षों से मानवता की सेवा में किए गए अथक प्रयासों की की सराहना

नई दिल्ली। एशिया का सबसे बड़ा वरिष्ठ नागरिक होम 'हेवेनली पैलेस' ने अंतर्राष्ट्रीय वरिष्ठ नागरिक दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर आध्यात्मिक नेताओं, समाज सुधारकों, वरिष्ठ नागरिकों, बेसहारा और अनाथ बच्चों की उपस्थिति रही।

आप को बता दें कि हेवेनली पैलेस ने दर्शाया कि सीमाएँ और विभाजन महत्व नहीं रखते जब सभी धर्मों और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ आकर लाभान्वित होते हैं। 1996 से, डीबीसी ट्रस्ट समाज के सबसे ज़रूरतमंद लोगों की सेवा के लिए समर्पित रहा है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, गुलाब चंद कटारिया(पंजाब के राज्यपाल) का स्वागत डीबीसी ट्रस्ट के चेयरमैन अनिल के. मोंगा ने किया। अपने संबोधन में राज्यपाल श्री मोंगा के 29 वर्षों से मानवता की सेवा में किए गए अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हेवेनली पैलेस की पहल को अनूठा बताया, जो वरिष्ठ नागरिकों को देखभाल, आराम और साथ प्रदान करता है तथा अन्य संस्थानों के लिए आदर्श है।

राज्यपाल ने कहा, 'ड्रीम एंड ब्यूटी चैरिटेबल ट्रस्ट स्लम क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा सेवाएँ, ऑपरेशन और दवाइयाँ उपलब्ध कराकर सराहनीय कार्य कर रहा है। वे प्रतिदिन 15,000 से अधिक पौष्टिक भोजन परोसते हैं, जिनमें 7,500 लुधियाना की झुग्गियों में और 7,500 दिल्ली के अस्पतालों के बाहर दिए जाते हैं। साथ ही ट्रस्ट की टीम स्लम और असामाजिक परिवारों के युवाओं को प्रशिक्षण और रोजगार दिलाने में भी सक्रिय है।'

इस अवसर पर राज्यपाल ने हेवेनली एंजेल्स–300 से अधिक अनाथ बच्चों के लिए बनाए गए भवन–और जॉयफुल लिविंग–वरिष्ठ नागरिकों और बेसहारा महिलाओं के लिए 150 बिस्तरों की क्षमता वाले आश्रय गृह–का उद्घाटन किया।

विश्व शांति दूत परम पूज्य आचार्य डॉ. लोकेश मुनि, संस्थापक अहिंसा विश्व भारती, ने कहा कि भारत का युवा देश का भविष्य है, लेकिन कई प्रतिभाशाली बच्चे अपने परिवार की असमर्थता के कारण संघर्ष कर रहे हैं। डीबीसी ट्रस्ट का अनाथालय वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों को एक परिवार जैसा माहौल देता है, जहाँ बुज़ुर्ग उन्हें अपने पोते-पोतियों जैसा प्यार देते हैं। आचार्य मनीष, प्रसिद्ध आयुर्वेदाचार्य एवं जीना सिखो हीम्स हॉस्पिटल्स के संस्थापक, ने कहा कि अनुशासित जीवनशैली–स्वस्थ आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच, व्यायाम और तनाव प्रबंधन–हेवेनली पैलेस के वरिष्ठ नागरिकों और हेवेनली एंजेल्स के बच्चों को स्वस्थ मन और शरीर प्रदान कर रही है।

इस अवसर पर डीबीसी ट्रस्ट के बोर्ड ट्रस्टीज़ राजेश नारुला, अमरिंदर एस. धिमान, अनिल सिंघानिया, अमृत भंबरी, श्रीमती नीरू सीतल एवं कोऑर्डिनेटर संयुक्त जीएम कर्नल परमिंदर सिंह ने आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया। इलाहाबाद पत्रिका प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व प्रबंधक हरीश बग्गा ने बताया कि कार्यक्रम में शरद प्रतिपाल सिंह, राहुल शर्मा, सत्यानंद कौर, अनीता गुप्ता, तिलक राज बोहरा, सुनीता सोनी, शालिनी, रमेश सेठ, कुमार इंदिरा सुखीजा, सुनीता सुखीजा, चरणजीत कौर, जसपाल कौर, अरूणिमा माथुर, विनीता, सुधा चढ्ढा, अनीता सेठ, सत्येंद्र कौर, दीपिका हरिंदर कौर नैना डॉक्टर इलास्मिता आदि लोग मौजूद रहे।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन देते हुए श्री मोंगा ने राज्यपाल, डॉ. लोकेश मुनि और सभी गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया और भविष्य की योजनाएँ साझा कीं। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट का ध्येय समाज के वंचित वर्गों को आश्रय, चिकित्सा, शिक्षा और समग्र सहयोग उपलब्ध कराना है। उन्होंने वैश्विक शांति और सद्भाव की अपनी दृष्टि पर बल देते हुए कहा–'यदि हम सब मिलकर ज़रूरतमंदों की मदद करें, तो बहुत जल्द दुनिया में सकारात्मक बदलाव दिखाई देगा।'

राष्ट्रीय लोक दल को मजबूत करके ही किसानों का भला कर सकते हैं - रामकृष्ण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राष्ट्रीय लोक दल उत्तर प्रदेश किसान प्रकोष्ठ की बैठक आर पी पैलेस में हुई बैठक में प्रयाग क्षेत्र वी काशी क्षेत्र के किसान प्रकोष्ठ के पदाधिकारी ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय लोकदल किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल किसानों का दल है। राष्ट्रीय लोक दल भारत रत्न किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह के बताएं रास्ते पर चलने वाला दल है। राष्ट्रीय लोक दल को मजबूत करके ही हम गांव गरीब व किसानों का भला कर सकते हैं। उन्होंने किसान प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों व प्रदेश पदाधिकारी के सदस्यता का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि इसे हर हाल में 31 अक्टूबर तक पूर्ण कर ले उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि अति शीघ्र क्षेत्रीय सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को अभी से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

साथ ही किसानों के मुद्दों पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि संगठित होकर किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु राष्ट्रीय लोक दल कार्यकर्ताओं को प्रयास करना चाहिए तथा जनहित के मुद्दों को मजबूती के साथ उठाना चाहिए। बैठक को राष्ट्रीय लोक दल गाज़ीपुर के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र सिंह यादव ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत रत्न चौधरी चरण सिंह जी के किए गए उपकार का बदला राष्ट्रीय लोक दल को मजबूत करके ही दे सकते हैं प्रदेश महासचिव धनीराम यादव ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल संगठन को मजबूत करने के लिए हम लोग की जान से मेहनत करें बैठक को संबोधित करने वाले प्रमुख लोगों में राम बहादुर सिंह क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रयाग क्षेत्र हंसराज यादव जिला अध्यक्ष प प्रयागराज रेहान खान अशोक कुमार सिंह अरुण सिंह परिहार दिग्विजय सिंह यादव प्रदेश महासचिव आरके सिंह माया शंकर यादव जौनपुर मुन्ना यादव गाजीपुर उमाशंकर यादव भदोही उदित नारायण द्विवेदी संजय भारतीय आदि ने अपने विचार व्यक्त किया बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रयाग उत्थान समिति समाज सेवा के क्षेत्र में नई उड़ान भरेगी : डॉ उदय प्रताप सिंह

2000 सदस्य जोड़ने का लक्ष्य

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयाग उत्थान समिति की बैठक ठाकुर हरनारायण सिंह ग्रुप आफ कॉलेज में आयोजित किया गया बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ उदय प्रताप सिंह ने कहा कि प्रयाग उत्थान समिति समाज सेवा के क्षेत्र में एक नई उड़ान भरेगी जिसको लेकर समिति महानगर के सभी वार्डों में सदस्यता अभियान शुरू करेगी और 2000 सदस्यों को जोड़ने की तैयारी करने जा रही है और कहा कि समिति शिक्षा, चिकित्सा, सहित जरूरत मंदों की सेवा पर विषेष रूप से कार्यरत होगी

उपाध्यक्ष राजेश केसरवानी ने बताया कि सदस्यता अभियान के पश्चात 9 नवंबर को शपथ ग्रहण समारोह इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में आयोजित किया जाएगा

संचालन महामंत्री अभिषेक ठाकुर ने किया और कहा कि समिति हर वार्ड में 21 सदस्यों को जोड़ेगी जिसमें 11 पुरुष और 10 महिलाओं को जोड़ेगी इस अवसर पर डॉ अनुराग सिंह, हरीश त्रिपाठी, अजीत सिंह, सीमा केसरवानी, पुष्पा तिवारी, अभिलाष केसरवानी, प्रदीप पांडेय, शकुंतला मिश्रा, प्रिया सिंह, शिवम् अग्रहरि, सत्यम, शिवम्, अरूण, रजत सोनकर, मोनू सेठ, शिर्वाचन पांडे, अजय निषाद, महिमा केसरवानी, सचिन यादव, आदि मौजूद रहे।

प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र का जीएसटी बचत उत्सव' कार्यक्रम किया गया आयोजित

जीएसटी रिफॉर्म्स ने देश की अर्थव्यवस्था को दी नई रफ़्तार : नन्दी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित जीएसटी सुधारों के अन्तर्गत रविवार को बाई का बाग स्थित एक होटल में प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र का जीएसटी बचत उत्सव' कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के साथ ही औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी भी सम्मिलित हुए।

मंत्री नन्दी ने बचत उत्सव में उपस्थित देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ व्यापारी भाइयों का स्वागत और अभिनन्दन किया।

मंत्री नन्दी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों को अपना परिवार मानकर उनकी समृद्धि और खुशहाली के लिए निरन्तर काम कर रहे हैं।

कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक, गुजरात से लेकर अरुणाचल तक प्रत्येक गाँव-प्रत्येक घर तक विकास की रौशनी पहुँचाने के लिए समर्पित भाव से निरन्तर काम किया है।

जीएसटी रिफॉर्म्स भी इसी विकास यात्रा का बेहद महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस कदम ने देश की अर्थव्यवस्था के दोनों महत्वपूर्ण पहियों को नई रफ़्तार दी है। व्यापारी और उपभोक्ता दोनों को ही करों के अतिरिक्त बोझ से राहत मिली है।

व्यापारी समुदाय ने सदैव इस देश के निर्माण में अपने परिश्रम और ईमानदारी से अतुलनीय योगदान दिया है। पिछले 11 वर्षों के दौरान जनता के टैक्स के पैसे से देश के सबसे अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के कल्याण की तमाम योजनायें संचालित हुईं।

आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित हुआ है।यह उपलब्धि जितनी देश की है उतनी ही आम जनता की भी है।

सपा बसपा की सरकारों में व्यापारियों का केवल उत्पीड़न हुआ है। सैम्पल भरने के नाम पर, छापे के नाम पर वसूली का कारोबार चलता था। लेकिन व्यापारी भाजपा से जुड़े रहे। आज डबल इंजन की हमारी सरकार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भयमुक्त व्यापार का माहौल बना है।

प्रदेश में आज एक तरफ कानून व्यवस्था बेहतर हुई है तो दूसरी ओर नीतिगत सुधार के निर्णय भी आमजन को राहत प्रदान कर रहे हैं। इसी कड़ी में जीएसटी सुधार देश के मध्यम वर्ग जिसमें बड़े पैमाने पर व्यापारी भी शामिल हैं, उन्हें राहत प्रदान करेगा। उनकी प्रगति और समृद्धि के द्वार खोलेगा।

इस अवसर पर भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रयाग व्यापार मंडल अध्यक्ष राणा चावला, अध्यक्ष इण्डस्ट्री एसोसिएशन राजीव नैयर, अध्यक्ष गल्ला एवं तिलहन व्यापार मंडल सतीश केसरवानी, कार्यक्रम संयोजक विक्रमजीत सिंह भदौरिया, भाजपा महानगर उपाध्यक्ष अनिल केसरवानी झल्लर, अध्यक्ष प्रयागराज मशीनरी एसोसिएशन अम्बरीश खुराना, अध्यक्ष प्रयागराज केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन अनिल दुबे, अध्यक्ष शाहगंज व्यापार मंडल अनिमेश अग्रवाल, मंत्री प्रयाग व्याापार मंडल महमूद अहमद खान, पल्लवी अरोड़ा, मुदित नैयर, रतन अग्रवाल, केवल खुराना, कवल गुलाटी, पूर्व राज्य मंत्री बाबू लाल भवरा, मुट्ठीगंज मंडल अध्यक्ष परमानन्द वर्मा, रवींद्र केसरवानी, प्रेम नारायण केसरवानी, लक्ष्मीकांत केसरवानी, शिव वैश्य, लालू मित्तल, विजय केसरवानी, अनुराग, कुंवर केसरवानी, पार्षद साहिल अरोरा, चौक मंडल अध्यक्ष सुमित वैश्य, पूर्व मंडल अध्यक्ष रणविजय सिंह आदि मौजूद रहे।

परमार्थ निकेतन में आयोजित इन्टरनेशनल योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स का समापन, वैश्विक योग जिज्ञासुओं का सहभाग

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन, आयोजित इन्टरनेशनल योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स के समापन के अवसर पर वैश्विक योग जिज्ञासुओं ने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी और डिवाइन शक्ति फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी भगवती सरस्वती जी से भेंट कर धर्म, संस्कृति व अध्यात्म से संबंधित अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

परमार्थ निकेतन में आयोजित योग टीचर ट्रेनिंग कोर्स, क्रिया योग, फाउंडेशन योग कोर्स, प्रतिवर्ष होने वाला अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव भारत सहित पूरी दुनिया के योग जिज्ञासुओं के लिए एक अवसर हैं, जहाँ उन्होंने योग के गहन सिद्धांतों, ध्यान व प्रणायाम की विभिन्न विधाओं के साथ सत्संग व पवित्र गंगा आरती से जुड़ना का सौभाग्य भी प्राप्त होता है।

योग सिर्फ एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला और चेतना का पोषण है। इस कोर्स में शामिल प्रतिभागियों ने विशिष्ट योगाचार्यों के मार्गदर्शन में आसन, प्राणायाम, ध्यान और योग दर्शन के विविध आयामों का अभ्यास किया। प्रत्येक सत्र में शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के साथ मानसिक शांति और आत्मिक जागरूकता हेतु भी विशेष अभ्यास कराया गया।

योगाचार्यों ने सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को बताया कि योग का उद्देश्य जीवन में संतुलन, अनुशासन और पूर्णता लाना है। योग की गहन शिक्षाएँ, जैसे अष्टांग योग, प्राणायाम की विधायें, मंत्रों का शुद्ध उच्चारण और ध्यान सभी के लिए सहज कैसे बनायी जाये इस पर विशेष जोर दिया गया।

साथ ही योग जिज्ञासुओं को स्वामी जी व साध्वी जी के द्वारा दिये उद्बोधन, मार्गदर्शन व सत्संग के माध्यम से स्वयं से जुड़ने, तनाव मुक्त जीवन जीने, अपनी चेतना को जागृत करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। इस अवस पर स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि भारत भूमि सदैव से अध्यात्म, संस्कृति और करुणा की जननी रही है। यहाँ की परम्पराएँ जीवन में समरसता, सेवा और संस्कार के रूप में जीवंत हैं। भारत की समृद्ध परम्परा हमें स्मरण कराती है कि 'वसुधैव कुटुम्बकम्' समस्त सृष्टि एक परिवार है यही भावना भारत को विश्व में अद्वितीय बनाती है। स्वामी जी ने कहा कि योग, ध्यान, आयुर्वेद और सनातन दर्शन हमारी संस्कृति के ऐसे स्तंभ हैं जो मानवता को शांति, संतुलन और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाते हैं। जब हम इन शिक्षाओं को अपनाते हैं तो हर प्रकार की सीमाएँ मिट जाती हैं और आपस में सेतु का निर्माण होता है। यही सेतु मानवता की एकता का प्रतीक है। उन्होंने योग जिज्ञासुओं से कहा कि आप सब अपने साथ एकता, समरसता व अद्भाव का संदेश लेकर जायें।

साध्वी भगवती सरस्वती जी ने कहा कि योग हमें बाहरी हलचल से भीतर की स्थिरता की ओर ले जाता है। जब हम सांस के साथ जुड़ते हैं, तो ईश्वर से जुड़ते हैं। यह कोर्स केवल प्रमाणपत्र पाने का नहीं, बल्कि जीवन को परिवर्तित करने का अवसर है।

योग जिज्ञासुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि योगाचार्य आभा सरस्वती जी द्वारा योग और ध्यान की विधाओं के साथ जब मंत्र, ध्वनि और नाद का समन्वय किया जाता है, तो योग साधना का प्रभाव और गहराई कई गुना बढ़ जाती है। उनके द्वारा उच्चारण किये मंत्रों की स्पंदनात्मक ऊर्जा मन को एकाग्र करती है, ध्वनि आत्मा को शुद्ध करती है और नाद हमें भीतर की मौन चेतना से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि यह समन्वित योगाभ्यास केवल शरीर को नहीं, बल्कि मन, हृदय और आत्मा को भी जाग्रत करता है। ऐसा अनुभव दुर्लभ है।

मशहूर अदाकारा अनिता हसनंदानी बनीं ज़ी टीवी के शो 'छोरियाँ चली गाँव' की विनर

प्रयागराज। दो महीने तक हंसी, जज़्बातों और ज़बर्दस्त जज़्बे से भरी भारत के गांव की सच्ची तस्वीर दिखाने के बाद, ज़ी टीवी के नए और अनोखे रियलिटी शो 'छोरियाँ चली गाँव' ने इस वीकेंड अपना शानदार ग्रैंड फिनाले देखा। ढोल-ताशों की गूंज और गांव की उत्साह भरी रंगत के बीच मशहूर अदाकारा अनिता हसनंदानी को विनर घोषित किया गया। अनिता ने ट्रॉफी उठाकर शो के पहले सीज़न को एक यादगार अंदाज़ में पूरा किया।

अपनी जीत पर अनिता हसनंदानी ने कहा, 'जब मैंने 'छोरियाँ चली गाँव' का हिस्सा बनने के लिए हामी भरी थी, तब मुझे पता था कि यह मुझे मेरी कम्फर्ट ज़ोन से बहुत बाहर ले जाएगा। लेकिन मैंने यह नहीं सोचा था कि यह सफर मुझे इतना बदल देगा। पहले दिन से ही मैंने खुद से कहा था कि मुझे यह जीत आरव्व और रोहित के लिए चाहिए। वो मेरे सबसे बड़े मोटिवेशन रहे। जब-जब मुझे मुश्किल हुई या घर की याद आई, मैंने उन्हीं को सोचकर खुद को और आगे बढ़ाया। आज जब मैं यह ट्रॉफी हाथ में ले रही हूं, तो यह सिर्फ मेरी नहीं, हमारी फैमिली की जीत है। यह सफर सच्चा, इमोशनल, बहुत-सी सीख देने वाला और यादगार रहा, जो हमेशा मेरी यादों में बसा रहेगा।'

आज फाफामऊ का विशाल दशहरा मेला

मंत्र भारत संवाददाता

फाफामऊ। शरदपूर्णिमा सोमवार को गंगापार का ऐतिहासिक विशाल दशहरा मेला रात्रि 8 बजे से प्राम्भ होकर पूरी रात तक चलेगा।मेले मे सभी सडको, चौराहे को भव्य रूप से सजाया गया है।और करीब दो दर्जन से अधिक श्रृंगार एवं कलात्मक. झांकी चौकीयो का प्रदर्शन पूरे मेले मे होगा।मेले का उद्घाटन महापौर गणेश केशरवानी करेंगे।तत्पश्चात रामलीला रंगमंच से रामदल उठकर पूरे मेले का भ्रमण कर फाफामऊ गांव स्थित रामलीला मैदान पहुंच कर राम, रावण युद्ध कर रावण वध का अकार्षक ढंग से किया जायेगा।पुनःसभी चौकीयां लौटकर बाजार आकर प्रतिस्पर्धा करेगी।सुबह 6बजे मेला समाप्त होगा।दूसरे दिन 7अक्टूबर को फाफामऊ चौराहे पर भव्य भरत मिलाप का कार्यक्रम सस्कृतिक कार्यक्रम पूरी रात होगा।इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष श्याम बाबू गुप्ता, महामंत्री.रोहित केशरवानी सहित सभी पदाधिकारीगण शामिल रहेंगे।

ओमैक्स संगम सिटी में 'विश्वास का संगम - गाला नाइट', आस्था गिल और सुगंधा मिश्रा ने बांधा समां

टाउनशिप को मिला कम्प्लीशन सर्टिफिकेट और नई यूनिट्स की घोषणा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज के नैनी स्थित ओमैक्स संगम सिटी में आयोजित 'विश्वास का संगम - गाला नाइट' ने संगीत और मनोरंजन का अद्भुत संगम पेश किया। 5000 से अधिक लोगों की मौजूदगी में हुए इस कार्यक्रम ने टाउनशिप को जीवंत कर दिया। इस अवसर पर कंपनी ने ओमैक्स संगम सिटी (फेज-1) को मिले कम्प्लीशन सर्टिफिकेट और नई यूनिट्स की उपलब्धता की घोषणा भी की।

शाम की शुरुआत गणेश वंदना नृत्य से हुई, जिसके बाद मशहूर कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। ऊर्जा डांस कंपनी और टीम श्रेय खन्ना की शानदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया, जबकि अभुजमद मल्लखंभ एकेडमी की प्रस्तुति ने रोमांचक माहौल बना दिया। शाम का मुख्य आकर्षण रही लोकप्रिय गायिका आस्था गिल की प्रस्तुति, जिनके गीतों पर उपस्थित लोग देर तक झूमते रहे। आयोजन का समापन ड्रोन शो ने किया, जिसने इस शाम को अविस्मरणीय बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान ओमैक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं बी-टुगेदर (ँऊद्रुपे) के फाउंडर मोहित गोयल; ओमैक्स के प्रेसिडेंट एवं बिज़नेस हेड सुनील कुमार सोलंकी; इंडस वैली एवं दिल्ली पब्लिक स्कूल के चेयरमैन विशाल सिंह; सांसद (प्रयागराज-फूलपुर) श्री प्रवीण पटेल, विधायक (करछना, प्रयागराज) श्री पियूष रंजन निषाद, विधायक (फूलपुर, प्रयागराज) श्री दीपक पटेल, विधायक (उत्तर विधानसभा क्षेत्र, प्रयागराज) श्री हरशवर्धन बाजपेयी, महापौर (प्रयागराज) श्री गणेश केशरवानी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

232.5 एकड़ में फैली ओमैक्स संगम सिटी प्रयागराज की सबसे बड़ी आधुनिक टाउनशिप्स में से एक है। यहां 500 से अधिक परिवार पहले से रह रहे हैं और लगभग 3000 से अधिक रेसिडेंशियल और कमर्शियल यूनिट्स का विकास किया जा चुका है। इस अवसर पर कंपनी ने तैयार रेजिडेंशियल प्लॉट्स और ओमैक्स आनंदा (न्यू टावर) की चुनिंदा यूनिट्स की उपलब्धता की घोषणा की। आनंदा न्यू टावर की कीमत ?76.70 लाख से शुरू होती है, जो एंड-यूज़र्स और निवेशकों दोनों के लिए आकर्षक विकल्प है।

टाउनशिप में पहले से ही ओमैक्स शिवा र्६ घ्छ और आनंदा (न्यू टावर को छोड़कर) को शामिल किया गया है। वहीं, तीन मंज़िला ओमैक्स संगम प्लाज़ा शॉपिंग, फूड और बिज़नेस स्पेस उपलब्ध कराते हुए न केवल टाउनशिप बल्कि आसपास के क्षेत्रों की आवश्यकताओं को भी पूरा करता है।

इस मौके पर ओमैक्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर मोहित गोयल ने कहाः "विश्वास का संगम' जैसे आयोजन यह साबित करते हैं कि ओमैक्स का उद्देश्य केवल घर बनाना नहीं, बल्कि शहरों की पहचान और विकास की कहानी में भागीदार बनना है। संगम सिटी का कम्प्लीशन सर्टिफिकेट प्राप्त करना हमारे लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो यह दर्शाता है कि प्रयागराज के विकास में ओमैक्स एक भरोसेमंद नाम है।

आज तैयार फ्लैट्स और प्लॉट्स का पजेशन उपलब्ध होना न सिर्फ होमबायर्स के लिए अपना घर पाने का अवसर है, बल्कि निवेशकों के लिए भी शहर की तेज़ी से बढ़ती संभावनाओं में शामिल होने का सुनहरा मौका है। आने वाले समय में हम प्रयागराज की प्रगति में और भी मज़बूती से अपनी भागीदारी निभाते रहेंगे।'

ओमैक्स संगम सिटी को आधुनिक जीवनशैली के अनुरूप तैयार किया गया है। यहां चौड़ी सड़कें, स्वच्छ वातावरण, हरे-भरे लैंडस्केप्स, क्लबहाउस, जॉगिंग ट्रेल्स, मल्टी-लेवल पार्किंग और स्विमिंग पूल जैसी सुविधाएं मौजूद हैं। शिक्षा और धार्मिक महत्व की जगहों की निकटता इसे और विशेष बनाती है - दिल्ली पब्लिक स्कूल पास ही स्थित है, जबकि त्रिवेणी संगम और सोमेश महादेव मंदिर मात्र 2 किमी दूर हैं।

आगामी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स जैसे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे, बंधा रोड और झूंसी रिंग रोड इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी को और सशक्त बनाएंगे। प्रयागराज का उन्नत स्मार्ट सिटी इंफ्रास्ट्रक्चर और राष्ट्रीय स्तर पर 12वीं स्वच्छता रैंकिंग इस टाउनशिप को न केवल रहने के लिए उपयुक्त बनाते हैं, बल्कि निवेश के लिहाज से भी इसे और अधिक आकर्षक बनाते हैं।

ओमैक्स संगम सिटी अपनी अत्याधुनिक सुविधाओं, धार्मिक पर्यटन से उत्पन्न बढ़ती मांग और निवेश पर बेहतर रिटर्न की संभावनाओं के कारण आज प्रयागराज के सबसे भरोसेमंद प्रोजेक्ट्स में शुमार है। यह टाउनशिप न केवल घर खरीदने वालों के लिए सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण जीवनशैली प्रदान करती है, बल्कि निवेशकों के लिए भी आकर्षक और लाभकारी विकल्प साबित हो रही है।

प्रयागराज का बढ़ता हुआ बाज़ार और यहाँ के उपभोक्ताओं की विविधता लिबर्टी के विस्तार के लिए एक आदर्श केंद्र है।' रुचिर बंसल

प्रयागराज। भारत के अग्रणी फुटवियर ब्रांड लिबर्टी शूज़ लिमिटेड ने आज प्रयागराज में अपने आगामी त्योहारी कलेक्शन का भव्य शुभारंभ किया। यह आयोजन KGF Banquet and Villa 5, KP ग्राउंड कैंपस, जॉर्ज टाउन में एक शानदार डीलर्स मीट के रूप में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में डीलर्स व व्यापारिक साझेदार शामिल हुए।

इस अवसर पर कंपनी के निदेशक श्री रुचिर बंसल ने कहा -'प्रयागराज का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व देशभर में जाना जाता है। यहाँ संगम की तरह परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत मेल देखने को मिलता है। लिबर्टी भी इसी सोच को आगे बढ़ाता है। प्रयागराज का बढ़ता हुआ बाज़ार और यहाँ के उपभोक्ताओं की विविधता लिबर्टी के विस्तार के लिए एक आदर्श केंद्र है।' आगे बताया कि कंपनी ने अप्रैल 2025 में दो नई तकनीक वाइब्रेशन शूज़ और वार्मर शूज़-लॉन्च की थीं, जिन्हें उपभोक्ताओं से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

श्री बंसल ने बताया कि वर्तमान में कंपनी के 4 अत्याधुनिक उत्पादन केंद्र हैं एक हिमाचल प्रदेश, एक उत्तराखंड और दो करनाल (हरियाणा) में। इन इकाइयों में आधुनिक मशीनरी से उच्च गुणवत्ता के जूते तैयार किए जाते हैं। आज लिबर्टी न केवल भारत में, बल्कि 25 से अधिक देशों को अपने उत्पादों का निर्यात भी कर रहा है, जो गर्व की बात है।

लिबर्टी की शुरुआत वर्ष 1954 में करनाल (हरियाणा) से पाल बूट हाउसके रूप में हुई थी। उस समय प्रतिदिन केवल 4 जोड़ी जूते बनाए जाते थे। आज लिबर्टी एक विशाल संगठन बन चुका है, जिसकी उत्पादन क्षमता प्रतिदिन 50, 000 से अधिक जूते बनाने की है।

अमेरिकी बाज़ार की चर्चा करते हुए श्री बंसल ने कहा 'दुनिया बहुत बड़ी है। अगर एक रास्ता बंद होता है तो हम नए रास्ते तलाश कर लेते हैं। न भारत और न ही यहाँ का व्यापारी किसी एक चुनौती से डरने वाला है।'

श्री कृष्ण कुमार (लवली) ने जानकारी दी कि आज के इस कार्यक्रम में कंपनी ने अपना स्प्रिंग-समर 2026 (एए'26) कलेक्शन लॉन्च किया, जिसमें 400 से अधिक नए डिज़ाइन और एक्सेसरीज़ शामिल हैं।

उन्होंने यह भी साझा किया कि अब लिबर्टी केवल फुटवियर तक सीमित नहीं है। हाल ही में लॉन्च किए गए लिबर्टी लाइफस्टाइल परफ्यूम और LFO (Liberty Fashion & Accessories) जैसे सेगमेंट - पर्स, वॉलेट, बेल्ट, सॉक्स, शू पॉलिश, ट्रैवलिंग बैग और स्कूल बैग उपभोक्ताओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। Deep Trading Company के निदेशक Sandeep Yadav ने कहा-भारत सरकार द्वारा उएऊ कम किए जाने का लाभ लिबर्टी अपने ग्राहकों तक सीधा पहुँचा रही है, जिससे उत्पादों के दाम काफ़ी कम हो गए हैं और उपभोक्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है।

'लिबर्टी पिछले 70 वर्षों से भारत का विश्वसनीय स्वदेशी फुटवियर ब्रांड है, जो पूरी तरह भारत में ही निर्माण करता है। इसकी रेंज ?399 से लेकर ?9, 999 तक उपलब्ध है और यह हर वर्ग के उपभोक्ता की जरूरतें पूरी करता है।'

उन्होंने बताया कि हीलर्स, लीप7एक्स, लूसी एंड ल्यूक और आहा जैसे ब्रांड लिबर्टी की कुल बिक्री में 70इ से अधिक योगदान करते हैं। श्री रोविन सिंह (रीजनल सेल्स मैनेजर, लिबर्टी) ने जानकारी दी कि वर्तमान में कंपनी का देशभर में 10, 000 से अधिक डीलर्स और लगभग 500 एक्सक्लूसिव शोरूम का मजबूत नेटवर्क है।

सम्पादकीय

थलसेना, वायुसेना प्रमुख के बयान शब्दों का खेल नहीं, भारत के आत्मविश्वास का प्रतीक हैं

भारतीय सेना और वायुसेना प्रमुख के ताजा बयानों ने पाकिस्तान और उसके आकाओं को स्पष्ट संकेत दे दिया है– भारत अब पुराने संयम और धैर्य के खोल में कैद रहने वाला देश नहीं रहा। ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि नई दिल्ली के पास न केवल निर्णायक सैन्य क्षमता है, बल्कि उसे इस्तेमाल करने का संकल्प भी है। यही संकल्प हमारे सेनाध्यक्ष और वायुसेना प्रमुख की वाणी में गूंजता दिखाई देता है।

सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राजस्थान के अनूपगढ़ मोर्चे से पाकिस्तान को दो-टूक चेतावनी दी कि अगर राज्य प्रायोजित आतंकवाद जारी रहा तो इस्लामाबाद को ङ्घविश्व मानचित्र पर अपनी जगह पर पुनर्विचार करना होगा।ङ्घ यह बयान महज शब्दों का खेल नहीं, बल्कि उस भारत का प्रतिबिंब है जो अपने सैनिकों और नागरिकों पर हमले का जवाब चुपचाप सहन करने को अब तैयार नहीं।

देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर के अनुभव ने भारत की रणनीति को और तेज़ कर दिया है। सेना प्रमुख ने साफ़ कहा कि पिछली बार दिखाया गया संयम अब नहीं दोहराया जाएगा। संदेश सीधा है– भारत अब अपनी रक्षा नहीं, बल्कि दुश्मन की आक्रामकता को जड़ से मिटाने की रणनीति अपनाएगा। सैनिकों को लगातार सतर्क रहने और ङ्घपूरी तरह तैयारङ्घ रहने का आदेश भी यही दिखाता है कि सीमा पार हर हरकत का जवाब अब उसी भाषा में मिलेगा।

दूसरी ओर, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पाकिस्तान की ङ्घमनोरंजनक कहानियोंङ्घ को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को भारी नुकसान उठाना पड़ा। एफ-16 और जेएफ-17 जैसे लड़ाकू विमानों, विशेष मिशन विमानों और महत्वपूर्ण एयरबेस को भारतीय हमलों ने तबाह कर दिया। 300 किलोमीटर से अधिक दूरी पर एस-400 द्वारा मार गिराया गया दुश्मन का विशेष विमान भारत की तकनीकी श्रेष्ठता का साक्षात प्रमाण है।

देखा जाये तो पाकिस्तान के लिए यह संदेश जितना गहरा है, उतना ही अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए भी स्पष्ट है। विश्व ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार को न केवल स्वीकार किया है बल्कि खुले तौर पर समर्थन भी किया है। यह वही वैश्विक माहौल है जिसने भारतीय नेतृत्व को और निर्भीक बना दिया है।

आज भारत का आत्मविश्वास केवल हथियारों की नोक पर नहीं, बल्कि नैतिक बल और सामरिक स्पष्टता पर टिका है। आतंकवाद को मिटाने का भारत का अधिकार अब विवाद का विषय नहीं रहा। सवाल सिर्फ यह है कि पाकिस्तान कब तक झूठ और इंकार की आड़ में अपनी नाकामियों को छिपाता रहेगा।

इतिहास गवाह है कि 1965 और 1971 के युद्धों में आम नागरिकों ने भी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाया था। सेनाध्यक्ष ने उस परंपरा को याद दिलाकर साफ़ कर दिया है कि आने वाली जंग, अगर पाकिस्तान ने विवेक नहीं दिखाया, तो केवल सेनाओं की नहीं होगी, यह राष्ट्र की सामूहिक चेतना और सामर्थ्य की जंग होगी।

देखा जाये तो आज भारतीय सेना और वायुसेना न केवल तकनीकी आधुनिकीकरण, बल्कि रणनीतिक सोच में भी नए युग में प्रवेश कर चुकी हैं। ड्रोन से लेकर मिसाइल डिफेंस तक, हर स्तर पर भारत की तैयारी यह बताती है कि दुश्मन की हर चाल का जवाब कहीं अधिक ताकतवर और घातक होगा।

पाकिस्तान को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत बदल चुका है। यह नया भारत संयम और प्रतीक्षा का नहीं, बल्कि निर्णायक कार्रवाई का प्रतीक है। और जब कोई राष्ट्र अपने सैनिकों, तकनीक और नैतिक बल–तीनों में इतना आत्मविश्वासी हो जाए, तो उसे रोकना असंभव हो जाता है। पाकिस्तान चाहे जितनी ङ्घकहानियाँङ्घ सुनाए, सच्चाई यही है कि भारत अब न केवल तैयार है, बल्कि हर आक्रामकता का हिसाब लेने को तत्पर भी है।

स्वदेशी एवं स्वावलम्बन ही नये भारत का आधार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना महोत्सव यानी प्रत्येक वर्ष विजयदशमी के अवसर पर संघ प्रमुख का उद्बोधन एक नए संदेश और नये दृष्टिकोण के साथ सामने आता है, इस उद्बोधन का पूरा राष्ट्र इंतजार करता है। इस बार संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कई ऐसी बातें कहीं, जो सरकार के साथ समाज के लोगों का ध्यान खींचने वाली हैं। इस पर आश्चर्य नहीं कि उन्होंने अपने संबोधन में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से भारत पर थोपे गए टैरिफ की चर्चा की। 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ ने भारत के समक्ष जो कठिन चुनौती खड़ी कर दी है, उसका प्रभावी ढंग से सामना स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही किया जा सकता है। भागवत ने संबोधन में स्वदेशी और स्वावलंबन को नए भारत का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में परस्पर निर्भरता एक स्वाभाविक स्थिति है, लेकिन यह निर्भरता कभी भी बंधन या मजबूरी में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए। भारत को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना होगा ताकि विदेशी निर्णयों और नीतियों पर हमारी नियंत्रण क्षमता सीमित न हो जाए। उनका कहना था कि स्वदेशी का अर्थ यह नहीं है कि हम दुनिया से कट जाएं, बल्कि यह है कि हम अपनी शर्तों पर और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार संबंध बनाएं।

संघ की स्थापना का यह अवसर केवल एक उत्सव मात्र नहीं था, बल्कि यह आयोजन भारत की आत्मा और उसके भविष्य की एक गहन घोषणा थी। भागवत ने स्पष्टता और गंभीरता से अपने विचार रखे, भारत को विश्वगुरु बनाने की दिशा में एक नया क्षितिज भी उद्घाटित किया। यह आयोजन संघ के सौ वर्ष सम्पूर्णता की साधना का मूल्यांकन ही नहीं, बल्कि आने वाले सौ वर्षों की दिशा का भी उद्घोष था। नई इबारत लिखते हुए भागवत ने स्पष्ट कहा कि संघ की कार्यप्रणाली का सार है, नए मनुष्य

एवं सशक्त-स्वावलम्बी भारत का निर्माण। यह विचार सुनने में सरल लग सकता है, किंतु इसके निहितार्थ अत्यंत गहरे हैं। समाज और राष्ट्र की सारी समस्याओं का मूल व्यक्ति के भीतर छिपा है। इसीलिये देश के सभी वर्गों को एकसूत्र में जोड़ने के संकल्प के साथ संघ आगे बढ़ेगा क्योंकि जब तक व्यक्ति का चरित्र, दृष्टि और आचरण नहीं बदलते, तब तक कोई भी व्यवस्था स्थायी रूप से परिवर्तित नहीं हो सकती। संघ व्यक्ति-निर्माण के माध्यम से समाज और राष्ट्र को बदलने की दीर्घकालिक साधना कर रहा है। यही कारण है कि संघ के कार्य का परिणाम केवल शाखाओं या कार्यक्रमों में नहीं मापा जा सकता, बल्कि उस अदृश्य लेकिन ठोस नैतिक शक्ति एवं सशक्त राष्ट्रीय भावना में देखा जा सकता है, जो धीरे-धीरे समाज की दिशा बदल रही है।

भागवत ने स्पष्ट किया कि आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक दृष्टि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन मूल्यों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विविधता को भारत की विशेषता बताया और समाज में विभाजनकारी प्रवृत्तियों पर चेताया। उन्होंने पंच परिवर्तन की संकल्पना भी प्रस्तुत की जिसमें आत्मजागरूकता, पारिवारिक मूल्य, नागरिक अनुशासन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता को जोड़ा गया है। इस संदेश के सकारात्मक पक्ष अनेक हैं। यदि इसे गंभीरता से अपनाया जाए तो यह देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति को नई दिशा दे सकता है। स्थानीय उद्योगों, हस्तशिल्प और कृषि को बढ़ावा देने से रोजगार का सृजन होगा और आर्थिक आत्मसम्मान मजबूत होगा। स्वदेशी पर बल देने से विदेशी निर्भरता घटेगी और देश की सुरक्षा व नीति संबंधी स्वतंत्रता बढ़ेगी। यदि समाज के स्तर पर भी इस सोच को अपनाया जाए तो उपभोक्तावाद के स्थान पर संवेदनशीलता और सेवा भाव विकसित होगा। विविधता के सम्मान और सामाजिक सद्भाव के आग्रह से राष्ट्र अधिक एकजुट और शक्तिशाली बन सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जिस आत्मनिर्भर भारत का आह्वान कर रहे हैं, उसका मूल उद्देश्य केवल आर्थिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। यह संदेश देश की घरेलू क्षमताओं को सशक्त बनाने, आयात पर निर्भरता घटाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ विकास की दिशा को व्यापक सामाजिक सरोकारों से भी जोड़ता है, जिसमें महात्मा गांधी की 'स्वदेशी अपनाओ' और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'अंत्योदय' की परिकल्पना स्पष्ट तौर पर समाहित है।

स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलकर ही नया भारत-सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है। इस बात को सरकार भी रेखांकित कर चुकी है और अब संघ प्रमुख ने भी दोहरा दिया। यह समय की मांग है कि स्वदेशी और स्वावलंबन पर तब तक बल दिया जाए, जब तक वांछित सफलता न मिल जाए। जहां सरकार को स्वदेशी की राह को आसान करना होगा, वहीं समाज को सहयोग देने के लिए तत्पर रहना होगा। इस उम्मीद में नहीं रहा जाना चाहिए कि अमेरिका के साथ शीघ्र ही आपसी व्यापार समझौता हो जाएगा। एक तो जब तक ऐसा हो न जाए तब तक चैन से नहीं बैठा जा सकता और दूसरे, यदि ऐसा हो जाए तो भी भारत को स्वदेशी और स्वावलंबन की राह पर चलना छोड़ना नहीं चाहिए। व्यापारिक साझेदारों पर निर्भरता लाचारी में नहीं बदलनी चाहिए। वास्तव में इस स्थिति से बचने का ही उपाय है स्वदेशी उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना। परंतु इस संदेश के साथ कई चुनौतियां और सीमाएं भी जुड़ी हुई हैं। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था इतनी आपस में गुँथी हुई है कि किसी भी देश का पूर्ण स्वावलंबन व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अनेक तकनीकें और कच्चे माल अब भी हमें विदेशों से ही प्राप्त करने होते हैं। यदि स्वदेशी को बढ़ावा देने के नाम पर विदेशी व्यापार पर प्रतिबंध या अधिक शुल्क लगाए जाते हैं तो यह व्यापार युद्ध और आर्थिक तनाव को जन्म दे सकता है। इस संदेश की सफलता केवल भाषणों और भावनात्मक नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए बल्कि ठोस नीतियों, बजट, शोध और योजनाओं के आधार पर इसे अमल में लाना होगा।

सामाजिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है कि स्वदेशी और स्वावलंबन का नारा केवल एक सांस्कृतिक या राजनीतिक रंग में न ढल जाए। यह तभी कारगर होगा जब इसे हर वर्ग, हर धर्म और हर क्षेत्र का साझा लक्ष्य बनाया जाएगा। नागरिकों की आदतों और व्यवहार में बदलाव लाना आसान नहीं है, लेकिन यदि यह बदलाव शिक्षा, प्रोत्साहन और जनचेतना के माध्यम से लाया जाए तो यह नारा समाज में गहरी जड़ें जमा सकता है। संघ प्रमुख का यह संदेश नए भारत की दिशा में प्रेरणा का स्रोत है। यह हमें बताता है कि हमें अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति पर गर्व करना चाहिए, वैज्ञानिक और तकनीकी दृष्टि से सशक्त होना चाहिए और विश्व के साथ संवाद स्थापित करते हुए भी अपनी स्वायत्तता को बनाए रखना चाहिए। किंतु इसके लिए आलोचनात्मक विवेक, व्यावहारिक सोच और निरंतर समीक्षा की आवश्यकता है। आज विभिन्न देशों की परस्पर मित्रता का आधार अपने-अपने आर्थिक-कूटनीतिक हित हैं। इन स्थितियों में सर्वोत्तम उपाय स्वदेशी को बल देते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाना है।

आज की वैश्विक परिस्थितियों पर दृष्टि डालें तो भागवत के विचार और भी प्रासंगिक हो उठते हैं। दुनिया हिंसा, आतंकवाद, युद्ध और उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ से त्रस्त है। पर्यावरण संकट दिन-प्रतिदिन गंभीर होता जा रहा है। मानसिक तनाव और आत्मकेंद्रित जीवन-शैली ने मानव को भीतर से खोखला कर दिया है। इन परिस्थितियों में भारत ही वह देश है, जो एक वैकल्पिक जीवन-दर्शन दे सकता है। भारत के पास भौतिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक समृद्धि की धरोहर है। यही धरोहर भारत को विश्वगुरु बनने की पात्रता प्रदान करती है। संघ की शताब्दी वर्ष की सम्पूर्णता का उद्घोष केवल संघ के स्वयंसेवकों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश और विश्व के लिए एक संदेश है। यह संदेश है- स्वावलम्बी एवं स्वदेशी भावना को बदल देना, नए मनुष्य का निर्माण करना, गरीब को उठाना, धर्मों को जोड़ना, समाज में समरसता स्थापित करना और हिंदुत्व की व्यापक जीवन दृष्टि के आधार पर विश्व को दिशा देना। यह केवल भाषण नहीं, बल्कि एक संकल्प है।

कफ सिरप से बच्चों की मौत की खबरें चिंताजनक दवाओं की गुणवत्ता पर निगरानी रखना सबसे बड़ी जरूरत

मध्य प्रदेश और राजस्थान से बच्चों की मौतों की जो खबरें आईं, उन्होंने पूरे देश की नींद उड़ा दी है। महज़ खांसी-जुकाम जैसी सामान्य बीमारी के लिए दी जाने वाली खांसी की दवा, बच्चों के जीवन पर इतनी घातक साबित होगी, इसकी कल्पना भी नहीं की गई थी। पिछले एक महीने में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा ज़िले में 9 बच्चों की मौत और राजस्थान के विभिन्न जिलों में 3 बच्चों की मौत ने चिकित्सा व्यवस्था, दवा नियमन और प्रशासनिक सतर्कता, तीनों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हालांकि केंद्र सरकार ने साफ़ किया है कि मध्य प्रदेश से लिए गए 19 सैंपल्स में से 9 की जांच रिपोर्ट में डायथिलीन ग्लाइकोल या एथिलीन ग्लाइकोल जैसी जानलेवा रसायनों की मौजूदगी नहीं पाई गई है। हम आपको बता दें कि यह वही तत्व हैं जिन्होंने 2019 में जम्मू और 2022-23 में गाम्बिया व उज्बेकिस्तान जैसे देशों में भारतीय दवाओं को लेकर वैश्विक स्तर पर विवाद ख

हम आपको बता दें कि छिंदवाड़ा के पारासिया और आसपास के गांवों में अगस्त के अंत से बच्चों में सर्दी-खांसी और हल्का बुखार देखा गया। डॉक्टरों ने उन्हें साधारण खांसी की सिरप और दवाएं दीं। लेकिन कुछ ही दिनों में बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी, पेशाब कम होना, शरीर में सूजन और किडनी से जुड़ी जटिलताएं बढ़ने लगीं। नतीजतन, नौ मासूमों की जान चली गई और पांच बच्चे नागपुर में विशेष इलाज के लिए भर्ती हैं।

राजस्थान में हालात और भी उलझे हुए हैं। सरकार द्वारा मुफ़्त दवा योजना में बांटी जा रही डेक्स्ट्रोमेथॉर्फ़न-आधारित सिरप लेने के बाद सीकर, भरतपुर और बांसवाड़ा के कई बच्चों में गंभीर लक्षण दिखे, जैसे- उल्टी, चक्कर, बेहोशी और घबराहट। इनमें तीन बच्चों की मौत भी हो चुकी है। राज्य स्वास्थ्य विभाग ने भले ही इन मौतों को सीधे दवा से जोड़ने से इंकार किया हो, लेकिन तत्काल प्रभाव से संबंधित कंपनियों की दवाओं की आपूर्ति रोक दी गई है। जयपुर स्थित कायसन्स फार्मा की 19 दवाओं पर रोक इसीलिए लगाई गई क्योंकि कंपनी की दवा गुणवत्ता का रिकॉर्ड पहले से संदिग्ध रहा है। कंपनी के 10,119 सैंपल्स में से 42 घटिया पाए गए थे।

देखा जाये तो भारत दुनिया का ठफार्मेसी हबठ कहलाता है, लेकिन समय-समय पर घटिया दवाओं के मामले हमारी छवि को धूमिल करते हैं। सवाल यह है कि जब दवा कंपनियों के खिलाफ पहले से संदिग्ध रिपोर्ट थीं, तो उन्हें सरकारी योजनाओं में शामिल क्यों किया गया? साथ ही विशेषज्ञ लगातार कहते आए हैं कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में अक्सर बिना उचित परामर्श के इन्हें दिया जाता है। यही लापरवाही जानलेवा बनती है। केंद्र सरकार ने तो फिलहाल श्ज्ञ् के सैंपल्स को सुरक्षित बताया है, लेकिन बाकी रिपोर्टें अभी आनी बाकी हैं। जब तक सभी जांच पूरी नहीं होतीं, तब तक कोई भी निष्कर्ष जल्दबाजी होगा। फिर भी राज्यों और केंद्र के बयानों में तालमेल की कमी आम जनता की चिंता बढ़ाती है।

अक्सर देखने में आता है कि ग्रामीण परिवार खांसी-जुकाम को हल्का समझकर बच्चों को अपने आप ही दवाएं दे देते हैं। यहां यह समझना ज़रूरी है कि बच्चों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता अलग होती है और कई दवाओं के दुष्प्रभाव घातक हो सकते हैं।

इस बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को साफ़ हिदायत दी है कि दो साल से छोटे बच्चों को खांसी-जुकाम की दवाएं न दी जाएं। डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को इसके लिए विशेष प्रशिक्षण और दिशा-निर्देश जारी करने होंगे। आगे की राह क्या हो यदि इस पर गौर करें तो सबसे पहला काम यह होना चाहिए कि जिन कंपनियों का रिकॉर्ड खराब है, उनकी दवाओं को सरकारी आपूर्ति श्रृंखला से तत्काल हटाया जाना चाहिए। साथ ही, फार्मा कंपनियों के लिए कठोर ऑडिट और बार-बार टेस्टिंग अनिवार्य की जानी चाहिए। इसके अलावा, जहां प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की भूमिका अहम है, वहां दवाओं के सही उपयोग और खुराक के बारे में स्पष्ट गाइडलाइन दी जानी चाहिए। साथ ही परिवारों को बताना चाहिए कि बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह के खांसी-जुकाम की सिरप न दें। साधारण घरेलू देखभाल जैसे भाप, गर्म पानी और साफ-सफाई कई बार ज्यादा प्रभावी होती है। इसके अलावा, मौत के मामलों पर स्पष्ट रिपोर्ट जनता के सामने समय पर लाना सरकार की ज़िम्मेदारी है, ताकि अफवाहें और डर न फैलें।

देखा जाये तो यह केवल छिंदवाड़ा या राजस्थान का मामला नहीं है, बल्कि पूरे देश के लिए चेतावनी है। बच्चों की ज़िंदगी से जुड़ा यह संकट हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी दवा निगरानी प्रणाली उतनी सख्त है, जितनी होनी चाहिए? क्या हमने स्वास्थ्य सेवाओं में सतर्कता और ज़िम्मेदारी को पर्याप्त महत्व दिया है? बहरहाल, इन सवालों के जवाब केवल जांच रिपोर्टों से नहीं, बल्कि प्रणालीगत सुधारों से आएंगे। आज ज़रूरी है कि हर मौत को गम्भीरता से लिया जाए, ताकि भविष्य में कोई मासूम अपनी जान न गंवाए। यह हादसा केवल एक त्रासदी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने की अनिवार्य पुकार है।

सांप-बिच्छू, दलदल से भरे सर क्रीक पर पाकिस्तानी कदमों की आहट से ही पूरा इतिहास-भूगोल बदलने को भारत क्यों हो गया तैयार?

2 अक्टूबर यानी अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी का जन्म दिवस जब भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुजरात के भुज एयरबेस पर मौजूद थे। यहां उन्होंने शस्त्र पूजा की और इस दौरान सर क्रीक का जिक्र किया। सर क्रीक खारे पानी का एक दलदलीय इलाका है। हिंदुस्तान पाकिस्तान के बीच गुजरात में चल रहे सीमा विवाद का एक कारण बना हुआ है। ये एक ऐसी सरहद है जहां जमीन का हिस्सा दिन में दो बार पानी के नीचे जाता है। यहां पर तैरिती हुई चौकियां हैं और जवान नावों से इन चौकियों पर पहुंच इलाके में पैट्रोलिंग करते हैं। क्यों आज तक सर क्रीक का मुद्दा भारत पाकिस्तान के बीच सुलझ नहीं सका और अचानक भारत की तरफ से पाकिस्तान को चेतावनी क्यों दी गई? इन सवालों का आज एमआरआई स्कैन करेंगे।

सर क्रीक का मूल नाम 'बाण गंगा' था और इसका वर्तमान नाम एक ब्रिटिश अधिकारी के नाम पर पड़ा। यह क्रीक भारत-पाकिस्तान सीमा पर 96 किलोमीटर लंबा ज्वारीय मुहाना है, जो भारत में गुजरात और पाकिस्तान में सिंध के बीच स्थित है। यह नदी अरब सागर में बहती है और समुद्री सीमाओं, प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण और सामरिक प्रभुत्व को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद के केंद्र में है।

सर क्रीक विवाद दोनों देशों द्वारा औपनिवेशिक काल की सीमा रेखाओं की अलग-अलग व्याख्याओं से उपजा है। सिंधु नदी के बदलते जलमार्ग ने वर्षों में इस मामले को और जटिल बना दिया है। इस विवाद को पहली बार 1914 में बंबई सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से संबोधित किया गया था। इसने तत्कालीन अविभाजित भारत में सिंध और कच्छ क्षेत्रों के बीच विवाद को सुलझाया था। यह विवाद विभाजन के लगभग चार दशक बाद शुरू हुआ और 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद और तीव्र हो गया। 1965 के युद्ध में पाकिस्तान की हार के बाद, कच्छ के रण (और सर क्रीक) सीमा विवाद संयुक्त राष्ट्र न्यायाधिकरण के पास गया। 1965 के 'सीमा निर्धारण समझौतों' के तहत, दोनों देश सीमा का अंतिम निर्धारण करने के लिए एक न्यायाधिकरण की स्थापना पर सहमत हुए। डरहम विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में कहा गया है कि न्यायाधिकरण ने कच्छ के रण क्षेत्र में भारत के 90ङ्घ दावों पर सहमति व्यक्त की तथा पाकिस्तान को केवल कुछ ही क्षेत्र दिए। भारत-पाकिस्तान पश्चिमी सीमा न्यायाधिकरण की 1968 की रिपोर्ट के अनुसार, यह समझौता न्यायाधिकरण को प्रस्तुत किए गए मामलों से नीली बिंदीदार रेखा के साथ सीमा के उस हिस्से को बाहर कर देता है, जैसा कि भारतीय मानचित्र ँ-44 और पाकिस्तान संकल्प मानचित्र में दर्शाया गया है, साथ ही सर क्रीक में स्थित सीमा भी। जहाँ पाकिस्तान 1914 के एक प्रस्ताव का हवाला देता है और तर्क देता है कि भले ही इसे दलदल, दलदली भूमि या रेगिस्तान माना जाए, कच्छ का रण एक विस्तृत प्राकृतिक अवरोध के रूप में कार्य करता है, जिसे एक मध्य रेखा द्वारा समान रूप से दो भागों में विभाजित किया जाना चाहिए, वहीं भारत अपने दावों को पुष्ट करने के लिए 1925 के एक प्रस्ताव के संशोधन का हवाला देता है।

अपनी ताज़ा चेतावनी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सेना और सीमा सुरक्षा बल सतर्कतापूर्वक सीमा की रक्षा कर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जिस तरह से हाल ही में पाकिस्तान की फौज ने सर क्रीक से सटे इलाके में मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया है, उससे पता चलता है कि पाकिस्तान की नीयत में खोट है। 1965 के युद्ध में भारतीय सेना ने दिखा दिया था कि वह लाहौर तक पहुँचने में सक्षम है। सिंह ने आगे कहा आज, 2025 में पाकिस्तान को याद रखना होगा कि कराची जाने का एक रास्ता इसी खाड़ी से होकर गुजरता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आजादी के 78 साल बीत जाने के बावजूद भी सर क्रीकइलाके में सीमा को लेकर एक विवाद खड़ा किया जाता है। भारत ने कई बार बातचीत के रास्ते इसका समाधान करने की कोशिश की, मगर पाकिस्तान की नीयत में ही खोट है। जिस तरह से हाल में पाकिस्तान की फौज ने सर क्रीक से सटे इलाकों में अपना मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर बढाया है, वह उसकी नीयत बताता है।

न्यायाधिकरण ने ईस्ट इंडिया कंपनी और कच्छ के शासकों के बीच 1819 की संधि से जुड़े व्यापक ऐतिहासिक साक्ष्यों की जाँच की। दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि इस संधि के बाद से कच्छ की सीमा अपरिवर्तित रही है। भारत ने दावा किया कि उसकी सीमा कच्छ के रण के उत्तरी किनारे पर स्थित है, जैसा कि विभाजन-पूर्व मानचित्रों में दर्शाया गया है, तथा उसे केवल सीमांकन की आवश्यकता है। पाकिस्तान ने ठमध्य रेखा सिद्धांतठ के अनुप्रयोग के लिए तर्क दिया, तथा कहा कि रण को अंतर्देशीय समुद्रों और झीलों को नियंत्रित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कानून सिद्धांतों के आधार पर दोनों देशों के बीच समान रूप से विभाजित किया जाना चाहिए। भारत ने तर्क दिया कि न्यायाधिकरण का काम यह पता लगाना था कि सीमा कहाँ है, न कि अमूर्त सिद्धांतों के अनुसार उसे कहाँ होना चाहिए। भारत का कहना था कि रण ज़मीन है, कोई जल-क्षेत्र नहीं, और किसी भी सामान्य नियम के अनुसार जल-सीमाओं का मध्य रेखाओं का अनुसरण करना आवश्यक नहीं है। भारत का कहना है कि ईस्ट इंडिया कंपनी और कच्छ के शासकों के बीच 1819 की संधि के बाद से कच्छ का क्षेत्रीय विस्तार अपरिवर्तित रहा है। रण 1819 से पहले भी पारंपरिक रूप से कच्छ क्षेत्र का हिस्सा था।

सर क्रीक का सैन्य महत्व कम है, लेकिन आर्थिक रूप से इसका बहुत महत्व है। माना जाता है कि इस क्षेत्र में तेल और गैस के भंडार हैं, और इस क्रीक पर नियंत्रण समुद्री सीमाओं, विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों (ईईजेड) और महाद्वीपीय तटों के सीमांकन को प्रभावित करता है। यह विवाद स्थानीय मछुआरों को भी प्रभावित करता है, जो अक्सर अनजाने में दूसरे देश के जलक्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं और गिरफ्तार कर लिए जाते हैं। हालाँकि अंतर्राष्ट्रीय कानून न्यूनतम दंड का प्रावधान करता है, फिर भी भारत और पाकिस्तान दोनों ही मछुआरों को लंबे समय तक हिरासत में रखते हैं, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होती है।

नागरिक सुरक्षा कोर गठन हेतु जनपदवासियों से सिविल डिफेन्स सर्विस के सदस्यता हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित

इच्छुक महिला-पुरूष व्यक्ति/समाजसेवी अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप फार्म (अ) व घोषणा पत्र के साथ 15 अक्टूबर तक करें जमा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। नागरिक सुरक्षा निदेशालय, उ0प्र0 के पत्र के द्वारा जनपद भदोही के अन्तर्गत नागरिक सुरक्षा कोर की स्थापना की जानी है। नागरिक सुरक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निर्गत अधिसूचना के क्रम में जारी नागरिक सुरक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन के कार्यालय-ज्ञाप के अनुकम में नागरिक सुरक्षा कोर का गठन करते हुए हुए जनपद भदोही में नागरिक सुरक्षा कोर की स्थापना की जानी है। नागरिक सुरक्षा विनियम, 1968 के अन्तर्गत नागरिक सुरक्षा संगठन के कार्यों को परिभाषित किया गया है, जिसमें प्रशिक्षण, अभ्यास / प्रदर्शन एवं हवाई हमले से जन-धन की सुरक्षा, शांतिकाल में नागरिक सुरक्षा नगर की नागरिक आबादी की भावी युद्ध तथा उससे उत्पन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए प्रशिक्षित करना, नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवको हेतु माकड्रिल प्रदर्शन/अभ्यासों का आयोजन करना, आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा योजना बनाना इत्यादि शामिल है। उल्लेखनीय है कि नागरिक सुरक्षा संगठन एक स्वयंसेवी संगठन है। संगठन के स्वयंसेवक / अवैतनिक पदाकारी निष्काम भावना से प्रेरित होकर संगठन से जुड़ते हैं तथा उनके द्वारा उक्त कार्यों के साथ-साथ विभिन्न त्यौहारों, मेलों एवं प्राकृतिक आपदा यथा-बाढ़, भूकम्प व अन्य जनकल्याणकारी कार्यों एवं प्रशासन द्वारा संचालित किये जाने वाले विभिन्न अभियानों में भी निरन्तर सक्रिय सहयोग किया जाता है।

अतः उपरोक्तानुसार नागरिक सुरक्षा कोर के गठन करने हेतु जनपद भदोही के नागरिकों से सिविल डिफेन्स सर्विस के सदस्यता की भर्ती हेतु आवेदन पत्र निम्न शर्तों के अधीन आमंत्रित किये जाते हैं- यह सेवा पूर्ण रूप से अवैतनिक होगी। ऐसे समाजसेवी जो निस्काम भावना से समाज सेवा में अपनी अग्रणी भूमिका निभाते हों।

ऐसे इच्छुक महिला-पुरूष व्यक्ति / समाजसेवी अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप फार्म (अ) एवं घोषणा पत्र के साथ कलेक्ट्रेट कार्यालय में न्याय सहायक पटल से प्राप्त कर निर्धारित प्रारूप पर अपना आवेदन पत्र उसी पटल पर दिनांक 15 अक्टूबर 2025 तक जमा कर सकते हैं। विशेष जानकारी उप जिलाधिकारी (न्यायिक) ज्ञानपुर/ उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा कोर भदोही शिव प्रकाश (मो0-9454416835) से प्राप्त कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य अनमोल धन है - राम श्रृंगार चौधरी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भदोही साइकिलिंग क्लब के तत्वाधान में गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से पर्यावरण और स्वास्थ्य जागरूकता अभियान साइकिल यात्रा निकाली गई।

अताउल अंसारी की अध्यक्षता में निकली साइकिल यात्रा आरंभ होकर कांजी हाउस, आजाद नगर, गोपुर होते हुए सारीपुर पहुंची ।

वहां पहुँचने पर सारीपुर के ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राम श्रृंगार चौधरी एडवोकेट बड़ी संख्या मे अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहें और सभी साइकिल चालकों का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया।

प्रधान प्रतिनिधि राम श्रृंगार चौधरी एडवोकेट ने कहा कि आपका स्वास्थ्य अनमोल धन है। ब्रह्म मुहूर्त में उठे आधे घंटे का योग व्यायाम कोई कसरत खेलकूद अवश्य करें। आसपास के कार्य साइकिल से या पैदल करें। अगर आप अपने स्वास्थ्य को सही नहीं रखते हैं तो बीमार पड़ेंगे और आपकी सारी जमा पूंजी इलाज में खर्च हो जाएगी।

प्रधान प्रतिनिधि ने हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया और स्वयं साइकिल लेकर यात्रा में शामिल हुए। साइकिल यात्रा पुनः आरंभ होकर सारीपुर, लोहरा, माधोपुर, चक दफ्तर बंद, लालानगर, कोइलरा के आस पास का भ्रमण करते हुए वृक्ष लगाओ पर्यावरण बचाओ, वृक्षों की जब करोगे रक्षा, तभी बनेगा जीवन अच्छा, हिंदुस्तान जिंदाबाद, स्वस्थ रहे मस्त रहे, करो योग रहो निरोग, हम सबने ये ठाना है पुरे भदोही को स्वस्थ बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का नारा लगाते हुए लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए अमवा मे इसका समापन हुआ ।

साइकिल यात्रा में मुस्ताक अंसारी, सरफराज अहमद, मनोज यादव, जगदीश यादव, प्रवीण श्रीवास्तव, महमूद आलम, साक्षी गौतम, अबरार हाश्मी, कमलेश कश्यप, फरियाद अली, प्रमोद मौर्या, सुंदरम चौधरी, कार्तिक सुनील, बनारसी बिंद, इमरान अहमद, महेंद्र यादव, फैज आलम, आजाद चौधरी, विराट चौधरी, गोपाल चौधरी, अबू हुरैरा, फैज शेख, हिमांशु चौधरी समेत आदि रहे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह के क्रम में पर्सनल सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण विषयों पर किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश हेतु 'मिशन शक्ति' अभियान के पाँचवें चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को समर्पित अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह के क्रम में पर्सनल सेफ्टी अवेयरनेस कार्यक्रम का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन की टीम द्वारा महिलाओं और बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस के लिए लोगो को जागरूक किया गया तथा बताया गया कि आप स्वयं की सुरक्षा छात्राओं को पर्सनल सेफ्टी के टिप्स देने के साथ.साथ विभागीय योजनाओं और विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों से भी अवगत कराया गया। बालिकाओं को बताया गया कि कैसे वो विपरीत परिस्थितियों में अपना बचाव कर सकती हैं । महिला कल्याण विभाग की योजनाओं को बताया गया, साथ ही कन्या सुमंगला योजना, बाल सेवा योजना , वन स्टॉप सेंटर , टॉल फ्री नंबर 1098.112.1076. 181.102.108. आदि की जानकारी दी गई। दूर दराज से आई हुयी महिलाएं को कन्या सुमंगला योजना को ऑन लाइन करने के लिए जागरूक किया गया। सशक्तिकरण का संदेश गतिशीलता और सुरक्षा का महत्व समझाया गया। इस मौके पर वार्ड/ ब्लॉक एंव ग्राम स्तर पर बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण विषयों पर महिलाओं और बच्चों कों जागरूक किया गया। विद्यालयों मे भी उक्त विषय पर विशेष रूप से न्यूनतम 3 सत्रों का आयोजन किया गया। कोई महिला या बच्चा विभिन्न नकारात्मक परिस्थितियों में अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा कैसे करें इस पर विषय-विशेषज्ञों के माध्यम से सत्रों का आयोजन किया गया। जिला प्रोबेशन से राजकुमार गुप्ता, ममता सिंह, रेशमा भारती, प्रियंका गुप्ता, आनन्द कुमार मौर्या, आलोक दूबे एवं शिक्षिका व काफी संख्या में छात्रायें उपस्थित रहीं।

फॉर्च्यून राइस ब्रान ऑयल ने अपना नवीनतम कैंपेन और नया टीवीसी लॉन्च किया

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। भारत के प्रमुख स्टेपल्स ब्रांड और एडब्ल्यूएल एग्री बिज़नेस लिमिटेड (पहले अडानी विल्मर लिमिटेड) के ब्रांड फॉर्च्यून ने आज फॉर्च्यून राइस ब्रान हेल्थ ऑयल को केंद्र में रखते हुए अपना नवीनतम कैंपेन और नया टीवीसी लॉन्च किया। यह फ़िल्म एक सरल लेकिन सशक्त संदेश - 'खराब कोलेस्ट्रॉल को दूर भगाएं- पर केंद्रित है। यह दृश्य एक लक्ज़री आवासीय सोसायटी से शुरू होता है, जहां पीले रंग के पैडेड बॉडीसूट पहने कुछ आदमी, जो हास्यपूर्ण ढंग से 'बैड कोलेस्ट्रॉल' को दर्शा रहे हैं, नजर आते हैं। जब बिल्डिंग के सुरक्षा गार्ड और उत्सुक निवासियों ने उनसे पूछा, तो वे बस मुस्कुराए और कहा, 'अरे, संडे है... कपूर जी के यहां ही जा रहे हैं।'

पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वास्थ्य कल्याण परीक्षण हेतु वामा वेलनेस कैम्प का आयोजन

पुलिस कर्मियों एवं उनके परिजनों के बहुमूल्य जीवन को प्राथमिकता देते हुए कराया गया स्वास्थ्य परीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। वामा सारथी उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा तय 'वामा वेलनेस कैम्प' का आयोजन आज दिनांकः 05 अक्टूबर, 2025 (समयः प्रातः 06:30 बजे से 11:30 बजे तक) को डॉ0 लाल पैथ लैब (डायग्नोस्टिक और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता संस्था) की सहभागिता से

स्वास्थ्य परीक्षण शिविर (केवल पुलिस परिवारजनों के लिए) पुलिस लाइन्स ज्ञानपुर में आसानी से स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराया गया। स्वास्थ्य परीक्षण बाजार मूल्य से विशेष निम्न दर पर उपलब्ध कराया गया।

अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही द्वारा पुलिस लाइन ज्ञानपुर में 'वामा सारथी'(बामा वैलनेस से संबंधित) नामक संगठन ने एक सफल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिसकर्मियों और उनके परिवारजनों का स्वास्थ्य जांच की गई। इस आयोजन में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य जांच जिसमें हृदय, दंत, नेत्र, बाल रोग, त्वचा रोग, जोड़ों का दर्द, बीपी और शुगर संबंधित कुल 73 पुलिसकर्मी एवं उनके परिजनों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श दिया गया। यह पहल पुलिस परिवार के लिए महत्वपूर्ण है। इससे पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करती है। यह उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक करती है। इस तरह के आयोजन से पुलिस कर्मियों का मनोबल बढ़ता है, और उनके परिवार के समग्र विकास में सहायता मिलती है।

पैर की हड्डी से निकाला गया 2 किलो का ट्यूमर

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल, प्रयागराज में जटिल सर्जरी सफल

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल के डॉक्टरों ने एक बड़ी चिकित्सकीय उपलब्धि दर्ज की है। यहां 20 वर्षीय युवक के पैर की हड्डी (टीबिया बोन) से लगभग 15 सेंटीमीटर लंबा और 2 किलो वजनी ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला गया। यह ट्यूमर ऑस्टियोकांड्रोमा (ध्रूदम्प्दहेद्र्से) नामक बीमारी के कारण विकसित हुआ था। डॉक्टरों के अनुसार, यह अब तक टीबिया बोन का सबसे बड़ा मामला माना जा रहा है।

इस सर्जरी का नेतृत्व वरिष्ठ आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. मनीष शुक्ला ने किया। करीब दो घंटे तक चले इस ऑपरेशन में डॉक्टरों की टीम ने अत्यंत सावधानी से हड्डी से ट्यूमर को अलग किया। ट्यूमर नसों और मांसपेशियों के बेहद करीब था, जिससे नसों को क्षति पहुंचने का गंभीर खतरा था। इसके बावजूद पूरी टीम ने सफलता हासिल की।

मरीज सुनील कुमार, निवासी कोरांव (प्रयागराज), वर्ष 2011 से दाहिने पैर में गांठ से परेशान थे। यह गांठ धीरे-धीरे बढ़ती गई और इतना बड़ा आकार ले लिया कि वे चलने-फिरने में असमर्थ हो गए। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे वर्षों तक इलाज नहीं करा सके। हाल ही में वे एसआरएन अस्पताल पहुंचे, जहां

एमआरआई, सीटी स्कैन और बायोप्सी के बाद पता चला कि यह बिनाइन ट्यूमर नसों पर दबाव डाल रहा है। डॉक्टरों ने तत्काल सर्जरी का निर्णय लिया।

डॉ. मनीष शुक्ला ने बताया कि यह ऑपरेशन बेहद जटिल था क्योंकि ट्यूमर नसों और मांसपेशियों के करीब था और नसों के पूरी तरह क्षतिग्रस्त होने का खतरा था। फिर भी ऑपरेशन सफल रहा और मरीज की हालत स्थिर है। डॉक्टरों के अनुसार, सुनील कुछ ही दिनों में अपने पैरों पर चलने में सक्षम होंगे।

प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) वी.के. पांडेय ने इस सफलता पर गर्व व्यक्त किया और कहा कि एसआरएन अस्पताल के डॉक्टर कठिन से कठिन सर्जरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। यह उपलब्धि न केवल अस्पताल बल्कि पूरे प्रयागराज के लिए गर्व की बात है। उन्होंने ऑपरेशन करने वाली टीम को बधाई दी और कहा कि इस तरह की सफलताएं मरीजों का विश्वास और मजबूत करती हैं।

जानकारी के अनुसार, इससे पहले वर्ष 2023 में कर्नाटक में टीबिया बोन का 13 सेंटीमीटर लंबा ऑस्टियोकांड्रोमा केस दर्ज हुआ था। प्रयागराज का यह मामला उससे भी बड़ा है और चिकित्सा जगत मो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा।

इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा यूनिट हेड पी. के. सिंह का स्वागत

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। कल इफको फूलपुर यूनिट में नवनियुक्त यूनिट हेड एवं महाप्रबंधक (फूलपुर) पी. के. सिंह का इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन, फूलपुर द्वारा एसोसिएशन कार्यालय में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

पी. के. सिंह ने अपने पहले कार्यदिवस पर एसोसिएशन के बुलावे पर एसोसिएशन कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से भेंट की। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं बुके प्रदान कर स्वागत किया तथा उनके नेतृत्व में यूनिट की प्रगति और सौहार्दपूर्ण कार्य वातावरण की शुभकामनाएं दीं।

अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग तिवारी, महामंत्री स्वयम् प्रकाश के साथ डी के सिंह, गौतम कुमार, राजेश कुमार श्रीवास्तव, सी बी सिंह, बी पी सिंह, मनीष कुमार सिंह, संजय अवस्थी, विष्णु कांत तिवारी अपूर्व सक्सेना, पी सी मिश्रा एवं पीयूस मेहता उपस्थित रहे। सभी ने आशा व्यक्त की कि सिंह के अनुभवी नेतृत्व में फूलपुर यूनिट नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

कार्यक्रम के अंत में पी. के. सिंह ने ऑफिसर्स एसोसिएशन के सहयोग और सौहार्दपूर्ण स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया तथा सभी को मिलजुलकर कार्य करने का आह्वान किया।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में वांछित एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के थाना खेसरहा पुलिस द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में वांछित 01 नफर अभियुक्त गफ्फार पुत्र अनारुल्लाह निवासी देउरी को थानाक्षेत्र के देवरी मोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया

पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी बाँसी के कुशल पर्यवेक्षण व अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत स्थानीय थाने पर पंजीकृत मु0अ0सं0 166/2025 धारा 137(2),64(1), 5/6 पाक्सो एक्ट तथा 3(2) एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त को उ0नि0 हरेन्द्र शरण शुक्लाबीके साथ हे0का0 धर्मेन्द्र कुमार व आरक्षी सोनदेव कुमार को विधिक कार्यवाही करते हुई गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

प्रधानमंत्री ने कौशल दीक्षांत समारोह में किया ऑल इंडिया आईटीआई टॉपर्स का सम्मान

पीएम-सेतु योजना का शुभारंभ और 1, 200 वोकेशनल स्किल लैब्स का उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

वाराणसी। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कौशल दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशभर के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के 46 ऑल इंडिया टॉपर्स को सम्मानित किया। यह राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह का चौथा संस्करण था। कौशल दीक्षांत समारोह एक ऐसी अनूठी पहल है जिसकी परिकल्पना प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में इस उद्देश्य से की गई थी कि कौशल विकास को युवाओं के लिए एक आकर्षक और प्रेरणादायी लक्ष्य बनाया जा सके। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक ऐतिहासिक पहल पीएम-सेतु (प्रधान मंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआईज़) योजना का शुभारंभ किया। यह 60, 000 करोड़ की केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य देशभर के 1, 000 सरकारी आईटीआई को आधुनिक, उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण संस्थानों में परिवर्तित करना है।

अपने संबोधन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत की कुशल कार्यबल तैयार करने में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'आईटीआई न केवल औद्योगिक शिक्षा के प्रमुख संस्थान हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की वर्कशॉप भी हैं।' प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि ये संस्थान लाखों युवा भारतीयों को व्यावहारिक ज्ञान और रोजगारोन्मुख कौशल प्रदान कर रहे हैं, जिससे वे देश की अर्थव्यवस्था में आत्मविश्वासी योगदानकर्ता बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी जोर देकर कहा कि जैसे-जैसे भारत कौशल-आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, आईटीआई इस परिवर्तन की मज़बूत आधारशिला बने रहेंगे, जो युवाओं को तेजी से बदलते ग्लोबल मार्केट में सफल होने के लिए आवश्यक टूल्स और ट्रेनिंग प्रदान करेंगे।

तितिक्षा श्रीवास्तव ने किया दमदार कमबैक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जी टीवी का शो 'जागृति एक नई सुबह' अपनी दिलचस्प और प्रेरणादायक कहानी के चलते लगातार दर्शकों को बांधे हुए है। अब शो में आने वाला बड़ा ट्विस्ट दर्शकों को चौंका देगा। अभिनेत्री तितिक्षा श्रीवास्तव, जो गीता यानी जागृति की मां का किरदार निभा रही थीं और जिन्हें अब तक मृत मान लिया गया था, दोबारा शो में एंट्री करने जा रही हैं। उनकी वापसी शो में भावनाओं का नया उफान तो लाएगी ही, साथ ही तीखे टकराव और गहन ड्रामे की पृष्ठभूमि भी तैयार करेगी।

'जागृति - एक नई सुबह' में गीता का किरदार निभा रहीं तितिक्षा श्रीवास्तव कहती हैं, 'मैं वाकई बहुत खुश हूं कि मैं शो में दोबारा लौट रही हूं। गीता मेरे दिल के बेहद करीब है और एक ऐसी औरत के रूप में वापसी करना जिसे मृत समझ लिया गया था, इस सफर को और भी खास बना देता है। दर्शकों के मन में कई सवाल उठेंगे - वो कहां थीं, अब तक क्यों दूर रहीं और अब क्यों लौटी हैं? इन सभी सवालों के जवाब धीरे-धीरे सामने आएंगे और मैं यकीन दिलाती हूं कि हर खुलासा इंतजार के काबिल होगा। मुझे सबसे बड़ी खुशी इस बात की है कि गीता की वापसी से वो अपनी बेटी जागृति के और करीब आ जाएंगी और दोनों मिलकर कालीकांत का सामना करेंगी।

आमिर ने आदित्य बनकर बनाए अवैध संबंध, 4 बार कराया गर्भपात

जब राज खुला तो बंधक बनाया, फिर भाईयों से कराया गैंगरेप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मैनपुरी से एक शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां पर एक मुस्लिम युवक आमिर मसूद ने हिंदू युवक आदित्य वर्मा बनकर एक हिंदू युवती को प्यार के जाल में फंसाया। इसके बाद उससे मीठी-मीठी बातें की और उसके साथ अवैध संबंध बनाए। आरोपी ने गर्भवती होने पर चार बार उसका गर्भपात भी कराया। जब उसका ये राज खुल गया तो दरिंदे ने युवती को बंधक बनाकर उसका गैंगरेप करा दिया। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

बता दें कि मैनपुरी जनपद के कुरावली थाना क्षेत्र का ये मामला है। गोरखपुर की रहने वाली एक युवती 21 साल पहले यहां पर आकर रहने लगी थी। युवती घूमने के लिए लोहिया पार्क जाया करती थी। जहां आदित्य वर्मा उर्फ आमिर मसूद को युवती पसन्द आ गई और उसने किसी तरह से युवती का नंबर हासिल कर लिया। इसके बाद आमिर मसूद ने आदित्य वर्मा बनकर युवती को फोन करना शुरू कर दिया। दोनों के बीच फोन पर बात करते-करते नजदीकी बढ़ गई। युवती उससे प्यार करने लगी।

जानकारी के मुताबिक, युवती युवक पर भरोसा करने लगी। इसके बाद युवक उसे अपनी बातों में फंसाकर मैनपुरी ले गया। यहां पर उसने उसे एक किराए का मकान दिलाया। जिसमें वो रहने लगी। युवक उसे मंदिर ले जाता था ताकि उसे उसके मुस्लिम होने पर शक न हो। इसके बाद उसने युवती से शारीरिक संबंध बनाए। ये सिलसिला चार साल तक चला। इस दौरान युवती चार बार गर्भवती हो गई और युवक ने उसका चार बार गर्भपात कराया।

एक दिन आमिर मसूद अपना फोन घर पर छोड़ गया और वह कहीं चला गया था। इसी बीच उसके फोन पर किसी लड़की का फोन आता है और वह आमिर नाम से बुलाती है। जिसके जवाब में युवती कहती है कि यह फोन आमिर का नहीं आदित्य वर्मा का है। इस बात की शंका जब युवती के मन में हुई तो उसने आदित्य वर्मा से उसकी सच्चाई पूछी तो आदित्य ने अपनी सच्चाई आमिर मसूद के रूप में बताई और जबरन उसके साथ मारपीट कर उसे धर्म परिवर्तन करने का दवाब बनाकर बंधक बना लिया। इस दौरान आमिर और उसके भाई मूवीन ने युवती के साथ रेप किया। सोशल मीडिया पर उसके निजी फोटो वायरल करने की धमकी दी। युवती ने मामला दर्ज कराया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद हिंदू परिषद ने मामले में हस्तक्षेप किया तो पुलिस आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया।

फतेहपुर और बरेली मामले में पुलिस का दोहरा रवैया, देश में 'दो तरह' के कानून : कांग्रेस सांसद

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सहारनपुर से कांग्रेस के सांसद इमरान मसूद ने बरेली में पिछले महीने हुई हिंसा के बाद पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई की आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि सरकार फतेहपुर में मजार तोड़ने वालों और बरेली में हिंसा के आरोपियों से अलग-अलग बर्ताव कर रही है।

उन्होंने कहा, ''इससे जाहिर होता है कि देश में दो तरह के कानून चल रहे हैं।'' मसूद ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में दावा किया कि बरेली में पुलिस पिछले महीने 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद हुई हिंसा के मामले में बेकुसूर मुसलमानों को भी झूठे मुकदमों में फंसाकर जेल भेज रही है, यह कार्रवाई दर्शाती है कि देश में दो तरह के कानून चल रहे हैं। उन्होंने दलील देते हुए कहा, ''फतेहपुर में जब मजार के अंदर घुसकर तोड़फोड़ की जाती है, कब्रों पर खड़े होकर उनकी बेअदबी की जाती है तो कोई कार्रवाई नहीं होती। न तो वहां पुलिस का डंडा चलता, न हाथ-पैर तोड़े जाते हैं, न गोली चलती है।''

कांग्रेस सांसद ने कहा, ''कांवड़ यात्रा के दौरान रास्ते में पड़ने वाले

ढाबों को तोड़ दिया जाता है, उनमें आग लगा दी जाती है, उन्हें लूट लिया जाता है, राहगीरों के साथ मारपीट की जाती है और कानून का मजाक बना दिया जाता है तो कोई कार्रवाई नहीं होती, बल्कि समझा-बुझाकर शांत किया जाता है लेकिन अगर पोस्टर (आई लव मोहम्मद का पोस्टर) लेकर कोई खड़ा हो गया तो आप (पुलिस) हाथ-पैर भी तोड़ देंगे, पैरों पर गोली भी मार देंगे। तो सच्चाई तो यही है कि दो अलग-अलग वर्गों के लिये अलग-अलग तरह का कानून लागू है।''

उन्होंने कहा, ''इस तरह का जो हाल उत्तर प्रदेश में चल रहा है, वह ठीक नहीं है। भारतीय जनता पार्टी ने लोकतंत्र को तबाह कर दिया है। आपस में इतनी नफरत पैदा की जा रही है कि देश में रहना मुश्किल हो जाये। अमन और शान्ति बिल्कुल खत्म हो जाये। माहौल खराब होगा तो देश का आम आदमी पिसेगा।''

सांसद ने मुजफ्फरनगर में हाल में कथित रूप से कांवड़ियों द्वारा एक होटल में की गयी तोड़फोड़ का जिक्र करते हुए कहा, ''आप देखिये कि मुजफ्फरनगर में कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहां किसे गोली मारी गयी, कौन गिरफ्तार हुआ, किसके हाथ-पैर तोड़े गये? वहां एक महिला ने पूरे जीवन की पूंजी लगाकर अपना एक होटल बनाया था, उस पूरे होटल को तबाह कर दिया था। वहां गुंडागर्दी की इंतेहा थी, तो क्या कार्यवाही हुई? पुलिस तमाशा देखती रही।'' मसूद ने कहा, ''अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके मामला खत्म कर दिया गया। ऐसी घटनाओं की वीडियो मौजूद हैं, सब नजर आ रहा है। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।'' 'आई लव मोहम्मद' अभियान का जिक्र करते हुए मसूद ने कहा कि पोस्टर के प्रदर्शन को वह ठीक नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा कि मोहम्मद साहब से प्रेम दिखाने के लिये किसी पोस्टर की जरूरत ही नहीं है। मुसलमान होना अपने आप में इस बात की गारंटी है कि उसके दिल में पैगम्बर मोहम्मद के लिये मोहब्बत है।

नशेड़ी बाप बना हत्यारा: नशे में धुत पिता ने एक साल के बच्चे को मार डाला, धारदार हथियार से काट कर उतारा मौत के घाट

बलिया **(एजेंसी)**। जिले के बैरिया क्षेत्र में नशे में धुत एक व्यक्ति ने अपने एक वर्ष के बेटे की धारदार हथियार से प्रहार कर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि जिले के बैरिया क्षेत्र स्थित सुरेमनपुर गांव में शनिवार की रात रूपेश तिवारी ने अपने एक वर्ष के बेटे किनू पर धारदार हथियार से प्रहार किया। इलाज के लिए ले जाते समय किनू की मृत्यु हो गई। बैरिया क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि रूपेश तिवारी नशे का आदी है। वह अक्सर अपनी पत्नी और ससुर के साथ दुर्व्यवहार और उनकी पिटाई करता रहता था। रूपेश शनिवार की शाम को शराब के नशे में घर पहुंचा और अपनी पत्नी की पिटाई करने लगा। साथ ही अपने पिता कमलेश तिवारी को भी जोर-जोर से अपशब्द बोलने के साथ ही जान से मारने की धमकी देने लगा।

कुरैशी ने बताया कि उसकी

पत्नी घर पर अपने एक वर्ष के बेटे किनू और तीन वर्ष की बेटी अनन्या को अपने ससुर के पास छोड़कर पति के डर से गांव के ही एक व्यक्ति के घर चली गयी थी। घर में रूपेश और उसके दोनों बच्चे ही थे। उन्होंने बताया कि रूपेश की पत्नी रीना तिवारी रविवार की सुबह अपने ससुर के साथ घर लौटी तो उसने देखा कि उसके पति ने बेटे किनू का धारदार हथियार से प्रहार कर जबड़ा फाड़ दिया है।

कुरैशी के मुताबिक अनन्या ने पूछने पर मां को बताया कि रात में उसके पिता ने किनू को मार कर सुला दिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में रीना तिवारी की तहरीर पर रूपेश के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

अयोध्या में जोरदार धमाका, विस्फोट मे एक की मौत, 2 की हालात गंभीर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के अयोध्या जिले में जना बाजार रोड पर स्थित एक घर में जोरदार धामाका हुआ है। इस धमाके में एक युवक की मौत हो गई है और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

आपको बता दें कि यह हादसा जिले के बीकापुर कोतवाली से लगभग 100 मीटर की दूरी पर हुआ है, इस भयानक धमाके की वजह से दो मकान पूरी तरह जमींदोज हो गए। आसपास के तीन-चार घरों की दीवारों को भी नुकसान पहुंचा।

घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जबकि विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है।

विस्फोट की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस प्रशासन की टीम पहुंच गई। । घटनास्थल पर सुरक्षा घेरा बना दिया गया है। किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। जांच पूरी होने के बाद ही विस्फोट के सही कारणों का पता चल पाएगा।

भारत पहले से ही हिंदू राष्ट्र है और आगे भी रहेगा : महंत मिथिलेश नाथ योगी

लखनऊ **(एजेंसी)**। देवीपाटन मंदिर के पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नाथ योगी ने शनिवार को गोंडा जनपद में एक निजी शोरूम के उद्घाटन समारोह में शामिल होकर सनातन धर्म और हिंदू राष्ट्र को लेकर बड़ा बयान दिया। शोरूम में महंत का भव्य स्वागत एवं माल्यार्पण किया गया, जहां उन्होंने उपस्थित जनसमूह को आशीर्वाद भी दिया।

कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में महंत ने कहा कि 'हिंदू राष्ट्र बना क्या, यह कोई विषय नहीं है। भारत पहले से भी हिंदू राष्ट्र था, आज भी है और आगे भी रहेगा।' उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म की रक्षा के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उल्लेखनीय कार्य किया है, जिससे अब सनातन पर किसी प्रकार की चोट असंभव है। महंत ने कहा कि देश में कुछ विकृत मानसिकता के लोग सनातन धर्म को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सरकारें अब सजग हैं और ऐसे हर प्रयास को विफल करने के लिए ठोस कदम उठा रही हैं।

कट्टरता के सवाल पर महंत मिथिलेश नाथ ने कहा कि 'सिर तन से जुदा' जैसी बातें किसी भी धर्म में स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों का सम्मान होना चाहिए और इस प्रकार की मानसिकता को

समाज में कभी भी स्थान नहीं मिलना चाहिए। ऐसे लोगों का सार्वजनिक रूप से विरोध और कानूनी कार्यवाही जरूरी है।

महाराष्ट्र से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसी धमकियां देना अत्यंत निंदनीय है और जो लोग ऐसा करते हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि योगी जी केवल मुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि एक धर्मगुरु भी हैं और उनका अपमान पूरे हिंदू समाज का अपमान है। राम मंदिर निर्माण पर उन्होंने कहा कि अब जब राम मंदिर बन गया है तो रामराज्य की कल्पना भी साकार हो रही है, जहां बहन-बेटियां, व्यापारी और आम जनता सभी सुरक्षित रहें, यही असली रामराज्य है।

करवाचौथ से पहले उजड़ा सुहाग : हादसे में गई पति की जान, 10 महीने पहले हुई थी शादी

आगरा **(एजेंसी)**। जिले में मूर्ति विसर्जन करने के लिए गए सात लोगों की डूबने से मौत हो गई है। अब तक पांच शव को प्रशासन ने काफी खोजबीन के बाद बरामद कर लिया है। शेष की तलाश जारी है। गांव में मातम छाया हुआ है। जिन लोगों ने अपने को खोया है उनके लिए यह हादसा किसी बुरे सपने से कम नहीं है। इस हादसे में एक विवाहिता के पति की भी मौत हो गई है। इसी वर्ष फरवरी में मथुरा में रहने वाले चंचल के साथ हुई थी। हादसे से पहले पत्नी चंचल पहली करवाचौथ की तैयारी की जुटी हुई थीं। वह खरीदारी भी कर चुकी थीं। गुरुवार को हुए हादसे में पति भगवती की मृत्यु हो गई। पति की मृत्यु के बाद से चंचल का रो-रो कर बुरा हाल है। स्वजन उसे दिलासा दे रहे हैं।

आप को बता दें कि आगरा में उटंगन नदी में डूबे सात लोगों की तलाश के लिए अब पानी रोकने का काम शुरू किया गया है। उटंगन नदी पर तीन स्तर पर पानी रोका जा रहा है। मिट्टी डाल कर पानी रोका जा रहा है, इसके अलावा बोरी में मिट्टी भर कर नदी में डाला जा रहा है। नदी का पानी रोकने के साथ साथ नदी के किनारे पर एक वैकल्पिक रास्ता बनाया जा रहा है जिससे पानी दूसरी तरफ निकल जाए। इस पूरी कवायद को अंजाम देने के लिए छह जेसीबी मशीनें लगीं हुईं हैं। इसके अलावा गांव वाले भी मदद में जुट हैं। नदी का पानी जब पूरी तरह से रुक जाएगा। उसके बाद खुदाई करके लापता लोगों की तलाश की जायेगी। सेना के जवान के साथ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें इस मिशन में जुटी हुई हैं। स्थानीय पुलिस और पीएसी के जवान भी लगातार जुटे हुए हैं।

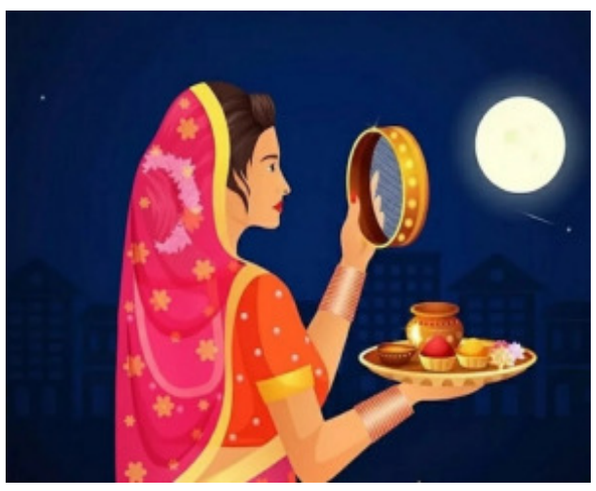

गौरतलब है कि दो अक्टूबर को खेरागढ़ इलाके के खुशियांपुर गांव के रहने वाले कुछ लोग उटंगन नदी में मूर्ति विसर्जन करने के लिए गए थे। मूर्ति विसर्जन के दौरान 13 लोग नदी के पानी में डूब गए थे। रेस्क्यू करके गोताखोरों ने अब तक पांच शवों को नदी से निकाला गया है। मृतकों का अंतिम संस्कार भी हो गया। एक व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। नदी के पानी में लापता सात लोगों की तलाश अभी भी जारी है। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी गहरा दुःख व्यक्त किया था। मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस प्रशासन को बचाव और राहत को लेकर सख्त निर्देश भी दिए हैं कि किसी भी तरह से कोई लापरवाही न हो। जिले के आला अधिकारी मौके पर लगातार कैंप किए हुए हैं और दूसरी तरफ सरकार नजर बनाए हुए है।

एसआईटी जांच से करूर भगदड़ का सच सामने आएगा : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को कहा कि मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) करूर भगदड़ की जांच शुरू करेगा, जिससे पूरी सच्चाई सामने आएगी तथा हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी।

करूर घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के खिलाफ अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगदड़ रोकने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार करूर त्रासदी पर उच्च न्यायालय के सभी दिशानिर्देशों पर ध्यान देते हुए काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''करूर में हुई त्रासदी से हम सभी स्तब्ध हैं।'' उन्होंने कहा कि अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के आंसू देखकर उन्हें बहुत दुख हुआ। उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर गठित एसआईटी मामले की जांच शुरू करेगी।

स्टालिन ने कहा कि वह

मुख्यमंत्री होने के नाते लोगों को आश्वस्त कर रहे हैं कि ''इस जांच के माध्यम से पूरी सच्चाई सामने आएगी और सभी स्तरों पर जवाबदेही तय की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि तमिलनाडु, जो कई क्षेत्रों में देश के बाकी हिस्सों के लिए एक आदर्श है, भगदड़ रोकने में भी देश का मार्गदर्शन करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम हितधारकों के परामर्श से एक व्यापक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करेंगे।'' उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और राज्य भर के आम लोगों से परामर्श किया जाएगा। स्टालिन ने कहा, ''यह (भगदड़ रोकने के लिए) एक ऐसा मॉडल बनेगा, जिसका अनुसरण केवल तमिलनाडु ही नहीं, बल्कि पूरा देश कर सकता है।''

उन्होंने कहा कि इस त्रासदी की पृष्ठभूमि में, ''आइए हम राजनीतिक उद्देश्यों से एक-दूसरे पर दोषारोपण किए बिना दीर्घकालिक समाधान की ओर बढ़ें।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करके भगदड़ रोकने के सामूहिक प्रयास के लिए विचारों और सुझावों का स्वागत करते हैं।

उन्होंने कहा, ''आइए हम अपने लोगों की जान बचाने के लिए एकजुट हों और ऐसी त्रासदी को न केवल तमिलनाडु में, बल्कि देश भर में फिर से होने से रोकें!'' मद्रास उच्च न्यायालय ने तीन अक्टूबर 2025 को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी असरा गर्ग के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित करने का आदेश दिया, जो 27 सितंबर को करूर में अभिनेता विजय की रैली के दौरान हुई भगदड़ की जांच करेगा। भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए।

मोदी सरकार धन के केंद्रीकरण को बढ़ावा दे रही है यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है : कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने ''धन के केंद्रीकरण'' के मुद्दे को उठाते हुए रविवार को आरोप लगाया कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों से प्रेरित है और कहा कि यह सिर्फ अर्थव्यवस्था के लिए समस्या नहीं है, बल्कि ''लोकतंत्र की आत्मा पर भी सीधा हमला'' है। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की जिसमें दावा किया गया है कि भारत अब अरबपतियों का नया केंद्र बन रहा है और देश में अमीर लोगों की संख्या साल दर साल तेजी से बढ़ रही है।

रमेश ने 'एक्स' पर लिखा, ''एक के बाद एक रिपोर्ट भारत में धन के व्यापक केंद्रीकरण के बारे में आगाह कर रही है। एक तरफ करोड़ों भारतीय रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ सिर्फ 1, 687 लोगों के पास देश की आधी दौलत है।'' उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार-प्रेरित आर्थिक नीतियों के कारण धन का इतना बड़ा केंद्रीकरण हमारे देश में विकराल आर्थिक असमानता पैदा कर रहा है। यही असमानता व्यापक सामाजिक असुरक्षा और असंतोष को जन्म दे रही है।'' उन्होंने कहा कि अन्य देशों में हाल की तारीखें गवाह हैं कि यही

घनघोर आर्थिक असमानता और पंगु लोकतांत्रिक संस्थाएं राजनीतिक अराजकता पैदा करने का कारण बनी हैं। रमेश ने कहा कि यह सरकार भारत को भी उसी रास्ते पर धकेल रही है। उन्होंने आरोप लगाया, ''सत्ता के गठजोड़ से चंद अमीर उद्योगपति और अमीर होते जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की नीतियां उनके चंद उद्योगपति मित्रों के फायदे के लिए ही केंद्रित हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र, अभूतपूर्व दबाव में है और यह दबाव केवल घरेलू नीतियों का ही नहीं, बल्कि विदेश नीति की असफलताओं का भी नतीजा है। रमेश ने कहा, ''आम लोगों के लिए कमाई के अवसर घटते जा रहे हैं। महंगाई इतनी बढ़ गई है कि नौकरीपेशा लोगों की जेब में भी बचत की जगह कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर निवेश लगातार घट रहा है और सामाजिक सुरक्षा योजनाएं कमजोर की जा रही हैं।'' उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी सफल योजनाएं, जिन्होंने करोड़ों लोगों को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा का जाल मुहैया कराया था, आज वेतन संकट से जूझ रही हैं। श्रमिकों को समय पर भुगतान तक नहीं हो रहा। रमेश ने कहा, ''धन का इतना घोर केंद्रीकरण केवल अर्थव्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा पर सीधा हमला है। जब आर्थिक शक्ति मुट्ठीभर हाथों में सिमट जाती है, तो राजनीतिक निर्णय भी उन्हीं के हित में होने लगते हैं।''

उन्होंने कहा कि इसके कारण सामाजिक और आर्थिक असमानता का दायरा लगातार बढ़ रहा है। रमेश ने कहा कि नतीजा यह हो रहा है कि देश के करोड़ों नागरिक धीरे-धीरे लोकतंत्र और विकास की प्रक्रिया से बाहर किए जा रहे हैं। 'एम3एम हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025' में शामिल लोगों की कुल संपत्ति 167 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के लगभग आधे के बराबर है। इस सूची में 1, 687 लोगों के पास 1, 000 करोड़ रुपये की संपत्ति है। हुरुन ने कहा कि भारत में पिछले दो वर्षों से हर हफ्ते एक अरबपति बना है और इस सूची में शामिल लोगों की संपत्ति में हर दिन 1, 991 करोड़ रुपये का इजाफा हो रहा है।

सोनम वांगचुक ने एनएसए हिरासत में रहते हुए लद्दाख हिंसा में हुई मौतों की न्यायिक जांच मांगी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया है, ने लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए चार लोगों, जिनमें एक पूर्व सैनिक भी शामिल है, की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की है।

ये विरोध प्रदर्शन 24 सितंबर को हुए थे और लद्दाख को राज्य का दर्जा बहाल करने और संविधान की छठी अनुसूची लागू करने की मांग को लेकर थे, लेकिन हिंसक हो गए थे।

वांगचुक ने लद्दाख के लोगों से शांति और एकता बनाए रखने और महात्मा गांधी के बताए अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए अपना संघर्ष जारी रखने की अपील की है। यह संदेश उनके भाई त्सेतन दोरजे ले और वकील मुस्तफा हाजी के माध्यम से आया, जिन्होंने उनसे जोधपुर सेंट्रल जेल में मुलाकात की। अपने संदेश में, वांगचुक ने कहा है कि जब तक स्वतंत्र जांच का आदेश नहीं दिया जाता, वह जेल में रहने के लिए तैयार हैं।

रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता वांगचुक ने 'सर्वोच्च निकाय' और 'कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए)' की छठी अनुसूची और राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग का भी समर्थन किया है। उन्होंने कहा, 'लद्दाख के हित में शीर्ष निकाय जो भी कदम उठाएगा, मैं तहे दिल से उनके साथ हूं।'

वांगचुक ने यह भी कहा कि

वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं। उन्होंने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों तथा गिरफ्तार किए गए लोगों के लिए प्रार्थना की है।

लेह 'सर्वोच्च निकाय' और केडीए, दोनों ने 6 अक्टूबर को होने वाली गृह मंत्रालय की वार्ता से खुद को अलग कर लिया है। उनकी मुख्य मांगें हैं कि चार लोगों की हत्या की न्यायिक जांच हो और वांगचुक सहित सभी हिरासत में लिए गए लोगों को बिना शर्त रिहा किया जाए।

सोमवार को सुप्रीम कोर्ट वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने एनएसए के तहत उनकी नजरबंदी को चुनौती दी है और उनकी रिहाई की मांग की है।

महिला विश्व कप 2025 मैच रैफरी से हुई बड़ी गलती, हारा हुआ टॉस जीता पाकिस्तान

कोलंबो **(एजेंसी)**। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को यहां महिला विश्व कप मुकाबले के टॉस के दौरान मैच रेफरी शांड्रे फ्रिट्ज से बड़ी गलती हो गई। इस गलती की वजह से उन्होंने पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना को टॉस विजेता घोषित कर दिया। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सिक्का उछाला और सना ने 'टेल्स' कहा लेकिन फ्रिट्ज ने सुनने में गलती की और इसे 'हेड्स' समझ लिया। फिर प्रस्तोता मेल जोन्स ने भी उन्हें टॉस विजेता घोषित किया। सिक्का 'हेड्स अप' गिरा लेकिन टॉस का विजेता पाकिस्तान को माना गया जिससे उन्होंने बादलों से भरे आसमान में पहले गेंदबाजी करने का विकल्प चुना। हरमनप्रीत ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और पाकिस्तानी कप्तान के बाद जोन्स से बात करने के लिए उनके पास गईं। उन्होंने सना से हाथ नहीं मिलाया।

महिला विश्व कप : जीत का खाता खोलने के इरादे से उतरेंगे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका

इंदौर **(एजेंसी)**। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें सोमवार को जब महिला विश्व कप के मैच में आमने-सामने होंगी तो अपने शुरुआती मुकाबलों में मिली करारी हार की निराशा को भुलाकर जीत का खाता खोलने का प्रयास करेंगी। न्यूजीलैंड को जहां अपनी गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होती तो वहीं दक्षिण अफ्रीका की नजरें अपनी बल्लेबाजों की फॉर्म पर होगी।

न्यूजीलैंड को पहले मैच में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 89 रन से शिकस्त झेलनी पड़ी तो वहीं दक्षिण अफ्रीका को इंग्लैंड ने 10 विकेट से रौंद दिया। दोनों ही मुकाबलों में हारने वाली टीम की बल्लेबाजों ने निराश किया। न्यूजीलैंड की गेंदबाजों ने हालांकि ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 22वें ओवर में पांच विकेट पर 128 रन करने के बावजूद उसे 326 रन बनाने दिए।

ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की और कप्तान सोफी डिवाइन की 112 रन की पारी के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम लक्ष्य के करीब भी नहीं पहुंच पाई। न्यूजीलैंड ने आखिरी पांच विकेट केवल 19 रन पर गंवा दिए। दक्षिण अफ्रीका के मामले में यह एकतरफा मुकाबला रहा क्योंकि उनकी टीम 69 रन पर आउट हो गई और उसकी केवल एक खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंच पाई। दक्षिण अफ्रीका को प्रतिस्पर्धी बनने के लिए लॉरा वोलवार्ट, ताजमिन ब्रिट्स, सुने लुस और मारिजैन कैप के बल्ले से बेहतर योगदान की उम्मीद होगी।

विश्व कप से पहले अपने आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पाकिस्तान से हार गई थी और सिर्फ 115 रन ही बना पाई थी जो बल्ले से उनकी लगातार नाकामी को दर्शाता है। हालांकि कागजों पर न्यूजीलैंड प्रबल दावेदार है क्योंकि उनके पास गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में बेहतर क्षमता है, विशेषकर स्पिन गेंदबाजी में जहां अमेलिया केर के 10 ओवर निर्णायक साबित होंगे।

एक और पहलू यहां की परिस्थितियां हैं जिन्हें न्यूजीलैंड बेहतर समझता है क्योंकि वे इस मैदान पर अपना लगातार दूसरा मैच खेल रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका गुवाहाटी से आएगा और उसकी बल्लेबाज एक अच्छी पिच पर बल्लेबाजी करना चाहेंगी जहां गेंद आसानी से बल्ले पर आती हो।

टीमें : न्यूजीलैंड : सोफी डिवाइन (कप्तान), सूजी बेट्स, ईडन कार्सन, फ्लोरा डेवोनशर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, मेली केर, जेस केर, रोजमेरी मायर, जॉर्जिया प्लिमर, लिया ताहुहु।

दक्षिण अफ्रीका : लॉरा वोलवार्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसेन, मारिजेन कैप, एनेके बॉश, सिनालो जाफ्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायोजन, नादिन डि क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शंगासे और काराबो मेसो।

समय : दोपहर 3 बजे।

पेरीकार्ड ने शंघाई मास्टर्स में फ्रिट्ज को हराकर किया उलटफेर

शंघाई। फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरीकार्ड ने चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 7-5 से हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। लंबे कद के पेरीकार्ड ने अमेरिका के खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 25 मिनट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरीकार्ड के सामने अंतिम 16 दौर में 10वें वरीय होल्गर रूने की चुनौती होगी। अन्य मैचों में रूने ने 21वें वरीय यूगो हम्बर्ट को 6-4, 6-4 से हराया जबकि जिजोयू बर्ग्स ने 19वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 7-6, 6-3 से मात दी। डेविड गोफिन के पहले सेट के दौरान जल्दी रिटायर होने के कारण 31वें वरीय गेब्रियल डियालो को वॉकओवर मिल गया।

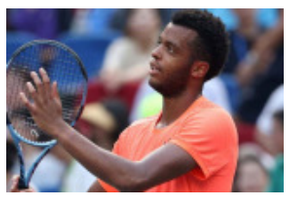

मजबूत आवास मांग के कारण सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग दूसरी तिमाही में 61 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के कारण चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में रियल एस्टेट कंपनी सोभा लिमिटेड की बिक्री बुकिंग 61 प्रतिशत बढ़कर 1, 902.6 करोड़ रुपए हो गई। पिछले वर्ष की समान अवधि में कंपनी की बिक्री 1, 178.5 करोड़ रुपए थी।

शेयर बाजार को दी जानकारी में सोभा लिमिटेड ने बताया कि कंपनी ने इस वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि के दौरान 13, 648 रुपए प्रति वर्ग फुट की औसत कीमत पर 13.94 लाख वर्ग फुट क्षेत्र बेचा। बेंगलुरु ने तिमाही बिक्री में 69.7 प्रतिशत का योगदान दिया, जिसका मूल्य 1, 326.4 करोड़ रुपए था। यह बढ़ोतरी सोभा टाउन पार्क परियोजना में बिक्री की तेजी के कारण हुई। दिल्ली-एनसीआर ने तिमाही बिक्री में 309.7 करोड़ रुपए का योगदान दिया, जबकि केरल क्षेत्र की बिक्री 184.8 करोड़ रुपए रही।

विदर्भ ने तीसरी बार जीती ईरानी ट्रॉफी फाइनल में शेष भारत को बड़े अंतर से हराया

नागपुर **(एजेंसी)**। हर्ष दुबे (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत विदर्भ ने रविवार को शेष भारत को 93 रनों से हराकर तीसरी बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता। शेष भारत ने कल के दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में शेष भारत ने अपना तीसरा विकेट कप्तान रजत पाटीदार (10) का विकेट 28 रन जोड़कर गंवा दिया। उन्हें आदित्य ठाकरे ने अपनी ही गेंद पर आउट किया। इसके बाद दर्शन नालकंडे ने ऋतुराज गायकवाड़ (सात) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

यश ढुल ने इशान किशन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में हर्ष दुबे ने इशान किशन (35) को आउटकर शेष भारत की मैच जीतने की उम्मीद को झटका दिया। सारांश जैन और यश ढुल के बीच छठे विकेट के लिए 53 रनों की साझेदारी हुई। पार्थ रेखड़े ने सारांश जैन (29) को पगबाधा आउटकर विदर्भ को छठी सफलता दिलाई। इसके बाद यश ठाकुर ने यश ढुल को भी आउटकर पवेलियन भेज दिया। यश ढुल ने शेष भारत के लिए सबसे अधिक 92 रनों की पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 117 गेंदों में आठ चौके और एक छक्का लगाया।

अंशुल कम्बोज (तीन) और आकाश दीप (शून्य) पर आउट हुये। 74वें ओवर की पांचवीं गेंद पर हर्ष दुबे ने गुरनूर बरार (सात) को आउटकर 267 के स्कोर पर शेष भारत की दूसरी पारी का अंत करते हुए 93 रनों से मुकाबला जीत लिया। विदर्भ के लिए हर्ष दुबे ने चार विकेट लिये। आदित्य ठाकरे और यश ठाकुर को दो-दो विकेट मिले। पार्थ रेखड़े और दर्शन नलकंडे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले विदर्भ ने पहली पारी में 342 रन तथा दूसरी पारी में 232 रन का स्कोर किया। शेष भारत ने पहली पारी में 214 रन बनाये थे और उसे दूसरी में जीत के लिए 361 रनों का लक्ष्य मिला था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले विदर्भ ने वर्ष 2017-18 और 2018-19 में दो बार ईरानी ट्रॉफी का खिताब जीता है। अभी तक खेले 63 फाइनल मैचों में शेष भारत 31वीं बार उपविजेता रहा है।

महिला विश्व कप 2025 : सूर्यकुमार बोले - 'भारत की महिला टीम पाकिस्तान को 12वीं बार भी हराएगी'

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय पुरुष टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव का मानना है कि हरमनप्रीत कौर की टीम पाकिस्तान के खिलाफ अपना अजेय रिकॉर्ड 12-0 तक बढ़ाने में सफल होगी। कोलंबो में रविवार को होने वाले महिला वनडे विश्व कप 2025 के ग्रुप-स्टेज मुकाबले से पहले सूर्यकुमार ने टीम इंडिया के प्रदर्शन पर पूरा भरोसा जताया।

उन्होंने कहा, 'पिछले 1-2 सालों में हमारी महिला टीम ने एक अलग स्तर का क्रिकेट खेला है। अगर वे अपने खेल पर ध्यान बनाए रखें, तो मुझे यकीन है कि 'मिशन 12-0' पूरा होगा।' सूर्यकुमार ने बताया कि हाल ही में उन्होंने कप्तान हरमनप्रीत कौर से बातचीत की

'कप्तान से बात

बताया कि टीम

है और कैंप में

हैं। जब माहौल

जीत अपने आप

भारत-पा

'प्रतिद्वंद्विता' पर

अंदाज़ में कहा, '1

की प्रतिद्वंद्विता नहीं होती। असली प्रतिद्वंद्विता तब होती है जब मुकाबला बराबरी का हो।' दीप्ति शर्मा को उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 'गेम चेंजर' बताया, 'ऑलराउंडर हमेशा मैच का पासा पलट सकता है। बल्ले या गेंद से, दीप्ति इस मैच में अहम भूमिका निभा सकती हैं।'

सूर्यकुमार ने स्मृति मंधाना की भी तारीफ की और कहा, 'वह भारत की सबसे लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी हैं। अगर उनका फॉर्म जारी रहा, तो यह टीम के लिए शानदार बात होगी।' उन्होंने प्रशंसकों से टीम को समर्थन देने की अपील करते हुए कहा, 'मुझे इस बार टीम के विश्व कप जीतने का पूरा भरोसा

जेरोधा से ट्रेडिंग करने वालों को लग सकता है बड़ा झटका, चार्ज लगाने की तैयारी में कंपनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के जरिए ट्रेडिंग करने वालों को बड़ा झटका लग सकता है। जेरोधा के संस्थापक और सीईओ नितिन कामथ ने चेतावनी दी है कि हाल के नियामकीय बदलाव और बाजार की परिस्थितियों के चलते कंपनी को ब्रोकरेज हाउस को चार्ज लगाना पड़ सकता है। कामथ ने यह जानकारी अपने ब्लॉग पोस्ट में दी।

उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026 की जून तिमाही में जेरोधा का ब्रोकरेज राजस्व पिछले साल की इसी तिमाही के मुकाबले लगभग 40इ गिर गया। इसका मुख्य कारण ऑप्शंस ट्रेडिंग पर नए नियम और बाजार गतिविधियों में कमी बताया गया है।

कामथ ने लिखा कि अगर परिस्थितियां सुधार नहीं होती हैं, तो जेरोधा को इक्विटी डिलीवरी ट्रेडों पर ब्रोकरेज चार्ज लागू करना पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि अधिकांश प्रतिस्पर्धी पहले से ही डिलीवरी ट्रेडों पर शुल्क लेते हैं। जेरोधा ने अब तक अपने यूजर्स के लिए वर्षों से शून्य ब्रोकरेज शुल्क बनाए रखा है।

कामथ ने कहा कि कंपनी की आय पर प्रभाव बाजार साइकल, नियमों और अन्य बाहरी कारकों से पड़ता है। उन्होंने चेताया कि ऑप्शंस पर एसटीटी में वृद्धि और ऑप्शंस के एक्सपायरी पीरियड को दो हफ्ते करने जैसे बदलावों से कंपनी के लिए जोखिम बढ़ गया है।कामथ ने कहा कि इन बदलावों का असर अक्टूबर 2024 से दिखना शुरू हुआ और जून 2026 की तिमाही में इसका असर राजस्व पर साफ दिखाई दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेरोधा की वर्तमान स्थिति कंपनी के नियंत्रण में नहीं है और बाजार की परिस्थितियां कंपनी की आय पर निर्णायक प्रभाव डालती हैं।

बैंकों में पड़ी हैं 1.84 लाख करोड़ की अनक्लेम्ड संपत्तियां, सीतारमण ने बताया कैसे मिलेगा आपका हक

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को गांधीनगर से तीन महीने के ''आपकी पूंजी, आपका अधिकार'' अभियान का शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के वित्त मंत्री कनुभाई देसाई, बैंकों और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि बैंकों और नियामकों के पास बैंक जमा, बीमा, भविष्य निधि और शेयरों के रूप में 1.84 लाख करोड़ रुपए की वित्तीय संपत्तियां बिना दावे के पड़ी हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अभियान के दौरान इन निधियों को उनके असली मालिकों तक पहुंचाने के लिए जागरूकता, पहुंच और कार्रवाई पर विशेष ध्यान दिया जाए।

सीतारमण ने भरोसा दिया कि यह राशि पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने कहा, 'आप जब चाहें उचित कागजात के साथ आएं, आपको धन दिया जाएगा। सरकार इसकी संरक्षक है।' उन्होंने यह भी बताया कि यदि किसी संपत्ति पर लंबे समय तक दावा नहीं किया जाता है, तो उसे एक संस्था से दूसरी संस्था में स्थानांतरित कर दिया जाता है।

निर्मला सीतारमण ने कहा, 'आपके पास जो भी दस्तावेज़ हैं, उनकी जांच कर कार्रवाई करें। एक संगठित प्रयास ही इस अभियान को सफल बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश के अनुसार, अधिकारियों को लोगों तक पहुंचना और बिना दावे वाली संपत्ति के असली मालिकों तक पैसा पहुंचाना सुनिश्चित करना होगा।'

वॉरेन बफेट का यू-टर्न, कियोसाकी की चेतावनी 1929 जैसी महामंदी फिर से दस्तक दे सकती है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विश्व के दो बड़े निवेश दिग्गजों, वॉरेन बफेट और रॉबर्ट कियोसाकी के बीच निवेश को लेकर बहस ने फिर से निवेशकों का ध्यान खींचा है। जहां बफेट ने सालों तक सोने और चांदी में निवेश को नकारा, वहीं हाल ही में उनकी राय में बदलाव आया है। इस बदलाव को देखकर कियोसाकी ने चेतावनी दी है कि शेयर और बॉन्ड मार्केट में बड़ी गिरावट और 1929 जैसी महामंदी का खतरा बढ़ सकता है।

बीते एक साल में सोने और चांदी की कीमतों में 50इ से अधिक तेजी देखी गई है, जो यह दर्शाता है कि आर्थिक अनिश्चितता के दौरान ये कीमती धातुएं निवेशकों के लिए सुरक्षित विकल्प बन जाती हैं। इसी बीच 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट पर निशाना साधा। बफेट हमेशा से सोने में निवेश के खिलाफ रहे हैं। लेकिन अब उनकी बदली राय ने सबको चौंका दिया है।

कियोसाकी और बफेट की निवेश संबंधी सोच हमेशा अलग रही है। बफेट ने पहले सोने और चांदी को 'बेकार' और 'नॉन-प्रोडक्टिव' बताया था, जबकि कियोसाकी इन्हें आर्थिक अनिश्चितता के दौर में भरोसेमंद निवेश मानते रहे हैं। अब जब बफेट ने सोने-चांदी के समर्थन में बदलाव किया, तो कियोसाकी इसे शेयर और बॉन्ड मार्केट में संभावित गिरावट का संकेत मान रहे हैं।

वॉरेन बफेट ने हमेशा कहा था कि सोना जमीन से निकाला जाता है, पिघलाया जाता है और फिर जमीन में ही दबा दिया जाता है, जिसका कोई खास उत्पादन मूल्य नहीं है लेकिन हाल ही में उनकी राय बदल गई है। कियोसाकी ने ट्वीट कर लिखा, 'बफेट ने सालों तक सोने-चांदी में निवेश करने वालों का मजाक उड़ाया। अब उनकी तारीफ सुनकर उल्टी आ रही है। इसका मतलब है कि शेयर और बॉन्ड मार्केट क्रैश होने वाला है।'

कियोसाकी लंबे समय से सोने, चांदी और क्रिप्टोकरेंसी को बढ़ावा देते आए हैं। उनका कहना है कि बढ़ती महंगाई, भूराजनीतिक तनाव और वैश्विक व्यापार युद्ध के इस दौर में ये संपत्तियां निवेशकों को सुरक्षा देती हैं। वे चेतावनी दे रहे हैं कि आर्थिक संकट करीब है, जो 1929 की महामंदी जितना गंभीर हो सकता है।

उनकी सलाह है कि निवेशक अब पारंपरिक निवेश जैसे शेयर और बॉन्ड से हटकर सुरक्षित विकल्पों की ओर ध्यान दें। हालिया सोने-चांदी की तेजी ने कियोसाकी की बात को और बल दिया है। वे निवेशकों से कह रहे हैं कि बफेट की बदली राय को गंभीरता से लें, क्योंकि यह आर्थिक तूफान के आने का संकेत हो सकता है।

क्रिसिल रिपोर्ट : आरबीआई भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रख सकता है

कोलकाता **(एजेंसी)**। क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान में भारी कटौती की है। केंद्रीय बैंक ने एक अक्टूबर को शु ल्क अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपनी नीतिगत ब्याज दर को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था।

रिपोर्ट में कहा गया कि एमपीसी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष (2025-26) की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी से वृद्धि पर शुल्क का समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया, ''कुछ श्रम-प्रधान क्षेत्र अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति कम चिंता का विषय होने के साथ, अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो आरबीआई के लिए भी ऐसा करने की गुंजाइश बनेगी।'' आरबीआई ने फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

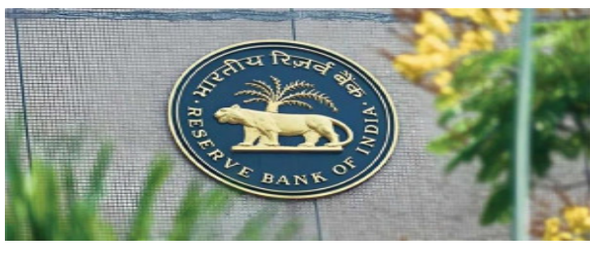

अरबाज खान के घर आई नन्ही परी शूरा खान ने बेटी को दिया जन्म

बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान की फैमिली में खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, उनकी पत्नी शूरा खान ने बेटी को जन्म दिया है। अरबाज खान और शूरा खान 5 अक्टूबर यानी रविवार को नन्ही परी के माता-पिता बने हैं। अरबाज खान और शूरा खान ने साल 2023 में शादी की थी और इस कपल का ये पहला बच्चा है। बताते चलें कि एक दिन पहले 4 अक्टूबर को जब प्रेग्नेंट शूरा खान को हॉस्पिटल को एडमिट करवाया गया था तभी से फैंस एक्साइटेड थे। अब इस कपल के माता-पिता बनते ही फैंस सोशल मीडिया के जरिए दोनों को बधाई दे रहे हैं।

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान एक बार फिर चाचा बन गए है। उनके छोटे भाई अरबाज खान और भाभी शूरा खान ने खुशखबरी सुनाई है और खान फैमिली में जश्न का माहौल है। 58 साल के अरबाज खान दूसरी बार पिता बने हैं। उनका पहली शादी से एक बेटा अरहान खान है। बताते चलें कि अरबाज खान ने दिसंबर, 2023 में मेकअप आर्टिस्ट शूरा खान के साथ शादी की थी। अब ये कपल शादी के करीब दो साल बाद बेटी का पेरेंट्स बना है। शूरा खान की मां बनने के बाद खान फैमिली के मेंबर्स हॉस्पिटल पहुंच रहे हैं।

अरबाज खान ने साल 1998 में मलाइका अरोड़ा के साथ शादी की थी और साल 2017 में उनका तलाक हो गया था। अरबाज खान और मलाइका अरोड़ा का एक बेटा अरहान खान हैं। अब अरबाज खान की दूसरी पत्नी शूरा खान ने बेटी को जन्म दिया है। बताते चलें कि सलीम खान के तीन बेटे सलमान खान, अरबाज खान और सोहेल खान हैं। सलमान खान ने शादी नहीं की। अरबाज खान ने दो शादियां की और उनके दो बच्चे हैं। सोहेल खान ने सीमा सजहेद के साथ साल 1998 में शादी की थी और साल 2022 में दोनों का तलाक हो गया। दोनों के दो बच्चे हैं।

रैंप पर उतरीं जाह्नवी कपूर, चमचमाती साड़ी में बिखेरा ऐसा जलवा कि थम गईं सबकी निगाहें!

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर हमेशा अपने फैशन सेंस और स्टाइलिश लुक्स को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक फैशन इवेंट में उन्होंने ऐसी एंट्री ली कि वहां मौजूद हर किसी की नजरें उन पर टिक गईं। जाह्नवी इस बार रैंप पर उतरीं एक खूबसूरत शाइनिंग साड़ी पहनकर, जिसमें वो बला की खूबसूरत लग रही थीं।

जाह्नवी कपूर की ये साड़ी सिल्वर टोन में थी, जिस पर शिमरी वर्क किया गया था। उन्होंने इस लुक को बहुत ही ग्रेसफुल तरीके से कैरी किया। खुले बाल, न्यूड मेकअप और मिनिमल ज्वेलरी के साथ उन्होंने अपने पूरे लुक को बिल्कुल रॉयल टच दिया। जब वो रैंप पर चलीं तो हर किसी की नजर बस उन्हीं पर ठहर गई। कैमरे उनकी हर अदाओं को कैद करने में बिजी नजर आए।

सोशल मीडिया पर भी जाह्नवी कपूर का ये रैंप वॉक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। फैंस उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। कोई उन्हें 'गॉर्जियस क्वीन' कह रहा है, तो कोई 'रियल फैशन आइकन' बता रहा है। कई लोगों ने कमेंट किया कि जाह्नवी अब बॉलीवुड की नई फैशनिस्टा बन चुकी हैं।

जाह्नवी के इस लुक की खास बात ये थी, कि उन्होंने पारंपरिक साड़ी को मॉडर्न टच के साथ पेश किया। उनका कॉन्फिडेंस, स्माइल और रैंप वॉक का स्टाइल सबको इंप्रेस कर गया। वर्क फ्रंट की बात करें, तो जाह्नवी कपूर जल्द ही कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' सिनेमाघरों में रिलीज हुई है, जिसको दर्शकों से प्यार मिल रहा है, एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्मों की बात करें, तो इनमें 'देवराः पार्ट 2' और 'पेड्डी' जैसी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा वो साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में अपनी जगह पक्की करने में जुटीं हैं।

करूर में 41 मौतों की कसूरवार कौन? खुशबू सुंदर बोलीं- स्टालिन सरकार की लापरवाही से हुई भगदड़

चेन्नई **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के करूर में अभिनेता से नेता बने विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद, भाजपा नेता खुशबू सुंदर ने इस घटना को 'सुनियोजित' और 'बनाई हुई आपदा' बताया है। उन्होंने रैली के लिए उचित जगह न देने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके की कड़ी आलोचना की।

खुशबू सुंदर ने कहा, 'तमिलनाडु के सभी लोग मानते हैं कि पूरी तरह से लापरवाही बरती गई। डीएमके जानती थी कि विजय कितनी भीड़ जुटाएंगे, फिर भी उन्होंने उन्हें सही जगह नहीं दी। एमके स्टालिन अब चुप हैं और सवालों का जवाब नहीं दे रहे हैं। 41 लोग मारे गए हैं। उन्हें अब बोलना चाहिए।'

27 सितंबर को करूर में विजय की रैली के दौरान भगदड़ मची थी, जिसमें 41 लोगों की मौत हुई और कम से कम 60 लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसा बिजली गुल होने, भीड़ का अचानक उमड़ना और संकरी जगह के कारण हुआ।

अभिनेता विजय को दोपहर 12 बजे पहुंचना था, लेकिन वे शाम लगभग 7 बजे पहुंचे। उनके पहुंचने पर भीड़ और बढ़ गई और लोग उनका ध्यान खींचने के लिए प्रचार बस पर चप्पलें फेंकने लगे।

अधिकारियों के अनुसार, स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

हालांकि, खुशबू सुंदर ने पुलिस कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'पुलिस ने लाठीचार्ज क्यों किया? अब कई वीडियो सामने आ चुके हैं। यह जरूर एक सुनियोजित और मनगढ़ंत घटना होगी।'

इस बीच, कई विपक्षी नेताओं ने विजय को भाजपा की 'बी-टीम' कहा है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, वरिष्ठ भाजपा नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा, 'मुझे 'ए-टीम' या 'बी-टीम' के बारे में नहीं पता। हम 'पी-टीम' यानी जनता की टीम हैं।'

सूत्रों के अनुसार, भगदड़ के कुछ दिनों बाद भाजपा ने विजय की पार्टी से संपर्क किया है। यह संकेत देता है कि भाजपा 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में अभिनेता के विशाल प्रशंसक आधार का उपयोग करने की कोशिश कर रही है।

भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने टीवीके नेतृत्व को बताया है कि अगर डीएमके विजय को गलत तरीके से निशाना बनाती है, तो वह अकेले नहीं रहेंगे। पार्टी ने टीवीके को यह भी बताया कि वह डीएमके को घेरना चाहती है और विजय को धैर्य रखने की सलाह दी।

11 बच्चों की मौत पर बड़ा एक्शन, मध्य प्रदेश में डॉक्टर गिरफ्तार, जहरीले कफ सिरप पर बैन

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में दूषित कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत के मामले में अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए डॉ. प्रवीण सोनी को गिरफ्तार कर लिया है। डॉक्टर सोनी ने ही इन बच्चों को कोल्ड्रिफ कफ सिरप लिखा था।

पुलिस ने डॉ. सोनी और सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मास्युटिकल्स के संचालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। यह मामला परासिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी अंकित साहलम की शिकायत पर औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की धारा 27(ए) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 276 के तहत दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया है कि डॉ. सोनी ने अधिकांश प्रभावित बच्चों को यही कोल्ड्रिफ कफ सिरप दिया था।

शुक्रवार को जारी हुई एक प्रयोगशाला रिपोर्ट में इस सिरप को लेकर चौंकाने वाला खुलासा हुआ। रिपोर्ट में पाया गया कि सिरप में 48.6ङ्क डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) मौजूद था। यह एक अत्यधिक जहरीला रसायन है, जिसका सेवन करने पर किडनी फेल हो सकती है और मौत हो सकती है। तमिलनाडु के कांचीपुरम जिले

में श्रीसन फार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित इस सिरप को तमिलनाडु औषधि नियंत्रण निदेशालय की 2 अक्टूबर की रिपोर्ट में भी 'अमानक और दोषपूर्ण (एनएसक्यू)' पाया गया था।

दूषित पदार्थ की पुष्टि होते ही, मध्य प्रदेश सरकार ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से कोल्ड्रिफ कफ सिरप की बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार ने आदेश दिया है कि सिरप की बिक्री, वितरण और निपटान पर तुरंत रोक लगाई जाए और अगली सूचना तक सभी उपलब्ध स्टॉक को सील कर दिया जाए। यह प्रतिबंध श्रीसन फार्मास्युटिकल्स द्वारा निर्मित अन्य उत्पादों पर भी बढ़ा दिया गया है।

कंपनी पहले से ही तमिलनाडु के अधिकारियों की जांच के दायरे में है, जिन्होंने 1 अक्टूबर को प्रारंभिक रिपोर्टों के बाद इसी तरह का प्रतिबंध लगाया था।

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रमुख सचिवों (स्वास्थ्य), स्वास्थ्य सचिवों और औषधि नियंत्रकों के साथ जल्द ही एक वीडियो कॉन्फ्रेंस करेंगे। इस बैठक का उद्देश्य कफ सिरप के तर्कसंगत उपयोग और दवाओं की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा करना है।

विधायक का दावा- जीतू पटवारी और उमंग सिंघार को 2026 में हटा देंगे

दिग्विजय ने कांग्रेस को बर्बाद कर दिया

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर के शीतला माता बाजार विवाद ने अब सियासी तूल पकड़ लिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह के बाजार दौरे पर भाजपा ने तीखा हमला बोला है। भोपाल के हुजूर से भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि 'वो इंदौर में हिंदू-मुस्लिम झगड़ा कराने और सांप्रदायिक तनाव भड़काने पहुंचे थे, लेकिन कांग्रेस के ही नेताओं ने उन्हें फटकार लगा दी।'

रामेश्वर शर्मा ने रविवार को कहा कि 'दिग्विजय सिंह ने कांग्रेस को बर्बाद कर दिया है। आने वाले समय में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को भी पद से हटा दिया जाएगा। कांग्रेस में कोई भी दिग्विजय सिंह का वार नहीं झेल पाता। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, 'जिला अध्यक्ष से डांट खाने के बाद भी दिग्विजय सिंह को शर्म नहीं आई। मंदिरों और सनातन के खिलाफ बोलना उनकी आदत बन चुकी है। कांग्रेस में उनकी फजीहत होती रहेगी।'

इंदौर के शीतला माता बाजार में प्रशासन द्वारा मुस्लिम दुकानदारों को हटाने की कार्रवाई की जा रही थी। इसी का विरोध करने दिग्विजय सिंह अचानक मौके पर पहुंच गए। लेकिन उनके पहुंचने पर इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सिंह बिना पूर्व सूचना या संगठन की सहमति के वहां पहुंचे। बीजेपी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के भीतर ही अनुशासन और समन्वय की कमी है।

बेंगलुरु में एक यात्री के पटरी पर कूदने से मेट्रो सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रहीं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। नादप्रभु केम्पेगौड़ा मेट्रो स्टेशन पर शनिवार को एक यात्री के पटरी पर कूदने के कारण मेट्रो की ग्रीन लाइन पर सेवाएं कुछ समय के लिए बाधित रहीं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

बेंगलुरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) के अनुसार, यह घटना अपराह्न तीन बजकर 17 मिनट पर हुई, जब ट्रेन मडावरा की ओर जा रही थी। यात्री को तुरंत बचा लिया गया और उसे अस्पताल ले जाया गया। अपराह्न तीन बजकर 47 मिनट तक मेट्रो सेवा सामान्य हो गई।

बीएमआरसीएल ने एक बयान में बताया कि 30 मिनट के इस व्यवधान के दौरान ट्रेनें केवल मडावरा और राजाजीनगर के बीच, तथा नेशनल कॉलेज और सिल्क इंस्टीट्यूट स्टेशन के बीच ही चलाई गईं।

बारिश की मार झेल रहे किसानों से 'जबरन वसूली'?

पवार ने सीएम कोष पर उठाए सवाल

मुम्बई **(एजेंसी)**। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण किसानों और फसलों को हुए भारी नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने विशेष रूप से गन्ने की फसलों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा उठाया और इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार के फैसलों पर कड़ी आलोचना की।

पवार ने वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में गन्ने की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है।

उन्होंने कहा, 'इस नुकसान का विस्तृत आकलन आवश्यक है।' इस क्षति के मूल्यांकन और आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कल (12 तारीख को) एक गवर्निंग काउंसिल की बैठक बुलाई गई है, जिसमें राज्य की सभी चीनी मिलें शामिल होंगी। पवार ने राज्य सरकार से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि, 'राज्य सरकार से किसानों को अधिकतम सहायता प्रदान करने की अपेक्षा है।'

किसानों को सहायता देने की बात करते हुए, शरद पवार ने एक अन्य सरकारी निर्णय पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार नुकसान झेलने वाले किसानों की मदद करने के बजाय, मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए गन्ना उत्पादकों से जबरन धन वसूलने का निर्णय ले रही है। पवार ने इस निर्णय को 'पूरी तरह से गलत' बताया और मुख्यमंत्री से इस पर पुनर्विचार करने की अपील की।

यूक्रेन में रूसी कहर, 5 नागरिक मारे गए

ल्वीव से जापोरिज्जिया तक हाहाकार

कीव **(एजेंसी)**। शनिवार रात भर रूस द्वारा यूक्रेन के नौ क्षेत्रों पर किए गए बड़े हमले में कम से कम पांच नागरिकों की मौत हो गई और नागरिक बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला मुख्य रूप से मिसाइलों, ड्रोनों और बमों का उपयोग करके किया गया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार सुबह जानकारी दी कि मॉस्को ने लगभग 500 ड्रोन और 50 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

हमले में पश्चिमी यूक्रेन का शहर ल्वीव सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। क्षेत्रीय अधिकारियों और यूक्रेन की आपातकालीन सेवा के अनुसार, ल्वीव में चार लोगों की मौत हुई और कम से कम चार अन्य घायल हुए।

ल्वीव के महापौर एंड्री सदोवी ने बताया कि हमले के कारण रविवार तड़के दो जिलों में बिजली गुल हो गई और सार्वजनिक परिवहन कुछ घंटों के लिए बाधित रहा। ल्वीव के बाहरी इलाके में एक व्यावसायिक परिसर में आग भी लग गई।

वहीं, दक्षिणी शहर जपोरिज्जिया में रात के समय हुए हवाई हमले में एक महिला की मौत हो गई और 16 वर्षीय लड़की सहित नौ अन्य लोग घायल हो गए, जैसा कि गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया।

यूक्रेन के रेलवे एवं विद्युत ग्रिड पर रूस ने हमले तेज कर दिए हैं। शनिवार को एक अन्य घटना में, एक रेलवे स्टेशन पर हुए रूसी ड्रोन हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और दर्जनों अन्य घायल हो गए।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया था कि कीव के उत्तर-पूर्व में, रूसी सीमा से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित शहर शोस्तका में रेलवे स्टेशन पर हुए ड्रोन हमले में कम से कम 30 लोग घायल हो गए।

नेपाल में बारिश व भूस्खलन से हाहाकार 50 से ज्यादा लोगों की मौत, रेड अलर्ट जारी

काठमांडु **(एजेंसी)**। पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर कल रात से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिसके कारण रविवार सुबह तक कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता कालिदास धौवजी ने बताया कि पिछले दो दिनों में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण कोशी प्रांत में इल्लम जिले के विभिन्न स्थानों पर कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने बताया कि इन 37 लोगों में से देउमाई और माईजोगमाई नगरपालिका क्षेत्रों में आठ- आठ लोगों की मौत हुई, इल्लम नगरपालिका और संदकपुर ग्रामीण नगरपालिका में छह-छह, मंगसेबुंग में तीन और फाकफोकथुम गांव में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

बाढ़ और भूस्खलन के कारण उदयपुर में दो और पंचथार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा, रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो लोगों की मौत हो गई। इस बीच, पंचथार जिले में भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण हुई एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफनती नदी में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हो गए, और इल्लम, बारा तथा काठमांडू में बाढ़ की घटनाओं में एक-एक व्यक्ति लापता हैं। धौंबाजी ने बताया कि लांगंग क्षेत्र में ट्रैकिंग अभियान पर गए 16 लोगों में से चार लोग भी लापता हो गए हैं। नेपाल सेना, नेपाल पुलिस और एपीएफ के जवान बचाव अभियान में शामिल हैं।

सुरक्षाकर्मियों ने विमान से इल्लम जिले से एक गर्भवती महिला सहित चार लोगों को बचाया और उन्हें धरान नगरपालिका के एक अस्पताल में भर्ती कराया। नेपाल के सात प्रांतों में से पांच प्रांतों में

मानसून सक्रिय है जिनमें कोशी, मधेश, बागमती, गण्डकी और लुम्बिनी शामिल हैं। पड़ोसी देश को मदद की पेशकश करते हुए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, "नेपाल में भारी बारिश से हुई जनहानि और क्षति दुखद है। इस कठिन समय में हम नेपाल की जनता और सरकार के साथ हैं।" मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, "एक मित्रवत पड़ोसी और प्रथम प्रतिक्रियादाता के रूप में, भारत हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।" इस बीच, नेपाल सरकार ने मौसम में सुधार को देखते हुए कुछ वाहनों को काठमांडू आने-जाने की अनुमति दे दी है।

काठमांडू घाटी में रविवार को, पिछले दो दिनों की तुलना में कम बारिश हुई और कुछ राष्ट्रीय राजमार्गों से भूस्खलन के कारण हुई रुकावटें हटा दी गई हैं। एनडीआरआरएमए द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, "मानसून काउंटर कमांड पोस्ट के निर्णय के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों के बीच में रुकी आपातकालीन सेवाओं, माल परिवहन, यात्री वाहनों और छोटी दूरी के वाहनों को स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय में सड़कों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए अपने गंतव्य की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी।" हालांकि, अगले आदेश तक जोखिम भरी सड़कों और राजमार्गों पर रात में वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया गया है।

नेपाली अधिकारियों ने शनिवार को लगातार बारिश और अगले तीन दिनों तक भूस्खलन की संभावना के कारण काठमांडू से वाहनों के प्रवेश और निकास पर प्रतिबंध लगा दिया। बागमती और पूर्वी राप्ती नदियों के आसपास के क्षेत्रों के लिए भी रेड अलर्ट जारी किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मानसून के सक्रिय रहने के कारण शुक्रवार रात से काठमांडू और देश के अन्य हिस्सों में लगातार बारिश हो रही है। खराब मौसम के कारण शनिवार को भी त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) से घरेलू उड़ानें रोक दी गईं। टीआईए, काठमांडू के महाप्रबंधक हंसा राज पाण्डे ने कहा कि काठमांडू, भरतपुर, जनकपुर, भद्रपुर, पोखरा और तुमलिंगतार से घरेलू उड़ानें अगली सूचना तक रोक दी गई हैं।

अबू धाबी एयरपोर्ट पर शाही जलवा

15 पत्नियों, 30 बच्चों और 100 नौकरों के साथ पहुंचा राजा, वीडियो वायरल

दुबई **(एजेंसी)**। सोशल मीडिया पर अबू धाबी एयरपोर्ट का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें अफ्रीका के इस्वातिनी (पूर्व स्वाजीलैंड) के राजा मस्वाती-3 दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में राजा अपने 15 पत्नियों, 30 बच्चों और करीब 100 नौकरों के साथ प्राइवेट जेट से उतरते नजर आए वीडियो में राजा मस्वाती-3 को लियोपर्ड प्रिंट की पारंपरिक पोशाक में देखा जा सकता है, जबकि उनकी पत्नियाँ रंग-बिरंगे अफ्रीकी परिधानों में चमक रही हैं। नौकरों का जत्था राजा और रानियों के सामान संभालते नजर आया। इस विशाल शाही काफिले के कारण एयरपोर्ट के तीन टर्मिनल अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए और सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करना पड़ा।

राजा मस्वाती-3 1986 से इस्वातिनी के राजा हैं और दुनिया के सबसे अमीर शासकों में गिने जाते हैं। उनके पास 15 पत्नियां और 35 से अधिक बच्चे हैं, जबकि उनके पिता की 125 पत्नियां और 210 से अधिक बच्चे थे। राजा हर साल 'रीड डांस' समारोह में नई दुल्हन चुनते हैं, लेकिन उनका यह वैभव देश में गरीबी और सामाजिक असमानता के सवालों को भी उजागर करता है। इस्वातिनी की लगभग 60ङ्क आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करती है। वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। लोग मजाक में कह रहे हैं, 'राजा का काफिला तो पूरा गांव लग रहा है!' वहीं कई लोग शाही जीवन और आम जनता की हालत में भारी अंतर पर भी टिप्पणी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, राजा मस्वाती-3 आर्थिक समझौतों और निवेश के लिए यूएई दौरे पर आए थे, लेकिन सोशल मीडिया ने इस शाही आगमन को वायरल बनाकर ग्लोबल ध्यान खींचा।

यूरोपीय हवाई क्षेत्र में रहस्यमयी घटनाओं से हड़कंप

म्यूनिख हवाई अड्डा 24 घंटे में दूसरी बार बंद, 9500 से अधिक यात्री प्रभावित

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। जर्मनी का म्यूनिख हवाई अड्डा 24 घंटे से भी कम समय में दूसरी बार बंद होने के बाद शनिवार सुबह फिर से खोल दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक हवाई अड्डा परिसर में ड्रोन देखे जाने के बाद इसे पिछली रात बंद कर दिया गया था।

यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के हवाई क्षेत्र में रहस्यमयी ड्रोन देखे जाने के बाद ये कदम उठाए गए हैं। जर्मनी के सबसे बड़े हवाई अड्डों में से एक, यह हवाई अड्डा स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह सात बजे से धीरे-धीरे फिर से खुल गया। आमतौर पर विमान सुबह पांच बजे उड़ान भरना शुरू कर देते हैं। संघीय पुलिस ने शनिवार को एक बयान में कहा कि शुक्रवार रात 11 बजे से कुछ समय पहले हवाई अड्डे के उत्तरी और दक्षिणी रनवे के पास दो ड्रोन देखे जाने की पुष्टि हुई। पहचान होने से पहले ही ड्रोन उड़ गए। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा कि उड़ानों के परिचालन में देरी होने की उम्मीद है। हवाई अड्डे के शुक्रवार से शनिवार तक रात भर बंद रहने से कम से कम 6, 500 यात्री प्रभावित हुए। इससे पहले हवाई अड्डे के बृहस्पतिवार रात से शुक्रवार तक बंद रहने के कारण लगभग 3, 000 यात्री प्रभावित हुए थे।

पीओके में पाकिस्तान की कार्रवाई पर वैश्विक चुप्पी 'शर्मनाक'

एक्सपर्ट बोले- इस्लामी देशों के पाखंड की खुल गई पोल

पेशावर **(एजेंसी)**। यूरोपीय लेखक और वेस्ट एशिया विशेषज्ञ माइकल अरिज़ांती ने पाकिस्तान-नियंत्रित कश्मीर (पीओके) में नागरिकों की हत्या पर अंतरराष्ट्रीय चुप्पी की तीखी आलोचना की है। उन्होंने वैश्विक शक्तियों और इस्लामी देशों पर 'शर्मनाक पाखंड' का आरोप लगाया और पूछा कि क्यों कश्मीरी मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को नजरअंदाज किया जा रहा है। अरिज़ांती के अनुसार, मुज़फ़्फ़राबाद, धीर्कोट, रावलाकोट और मीरपुर में प्रदर्शनकारियों को किफ़ायती बिजली और आटे की मांग पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने गोली चलाई। इसमें कम से कम 10 लोगों की मौत और 100 से अधिक घायल हुए। 45 लाख लोगों पर लागू कर्फ्यू और संचार ब्लैकआउट के बावजूद यह हिंसा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग रिपोर्ट नहीं हुई। अरिज़ांती ने कहा, 'ओआईसी, जो जम्मू-कश्मीर में भारत के खिलाफ तुरंत बयान देता है, पीओके में हुई हत्याओं पर चुप है। इमाम और मंत्री जो हर शुक्रवार गाजा पर बोलते हैं, वे पीओके में कहां हैं?'

उन्होंने पश्चिमी देशों पर भी सवाल उठाया कि जो यूक्रेन और गाजा के लिए बयान जारी करते हैं, वे पीओके में पाकिस्तान की कार्रवाई पर चुप क्यों हैं। 'क्या कश्मीरी खून कम मूल्यवान है?'वैश्विक कार्रवाई की अपीलः अरिज़ांती ने संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ से इन हत्याओं की जांच और तुरंत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मानवता के खिलाफ अपराध है, केवल पाकिस्तानी आंतरिक मामला नहीं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।